bjpkamaljyoti@gmail.com www.up.bjp.org संवत 2081 युगाब्द 5126 कुल पृष्ठ – सितम्बर प्रथम 2024, वर्ष –36 : अंक –03

वर्तमान

कमल ज्योति

संगठन पर्व 2024

संगठन गढ़े चलो, सुपंथ पर बढ़े चलो।

RNI-51899/91- UPHIN16701

₹20

SEMICON INDIA 2024
Inauguration by
Shri Narendra Modi
Prime Minister

Inauguration by
Shri Narendra Modi

BCL
Apollomedics

सुराज की विचार यात्रा

वर्तमान
कमल ज्योति

संरक्षक
श्री भूपेन्द्र सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध/कार्यकारी सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक

नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र,
राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

www.up.bjp.org
bjpkamaljyoti
bjpkamaljyoti
@bjpkamaljyoti

जन्मदिन की हार्दिक शुभेक्षा

सम्पादकीय

सेवा परमोधर्मः

राजनीति "**सेवा**" है। समाज में सद्परिवर्तन का माध्यम है। भारतीय जनता पार्टी अन्य संगठनों से अलग इस कारण से है कि इसका लक्ष्य अन्त्योदय, प्रण अन्त्योदय, पथ अन्त्योदय है।

एकात्ममानववाद का सिद्धान्त "**सर्वेभवन्तु सुखिनः**" के भाव को लेकर चलता है। व्यक्ति परिवार, समाज, राष्ट्र, विश्व, सृष्टि सबके मंगल की कल्पना है। जिसमें निःस्वार्थभाव से मानवता की सेवा के अपने को समर्पित करने की संस्कृति है। राजनीति सेवा है, सर्विस नहीं, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं कि मैं देश का प्रधान सेवक हूँ मेरे लिए सेवा ही परमधर्म है। इसी मूलमंत्र को लेकर मोदी का जन्म दिन सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन, 17 सितंबर से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन 2 अक्टूबर तक पूरे देश में सेवा पखवाड़ा इस सेवा पखवाड़े में पैरालंपिक के अलावा पेरिस ओलंपिक के प्रतिभागियों को भी सम्मान कार्यक्रम होगा। सेवा पखवाड़ा में पूरे देश में दिव्यांगों को इस कार्यक्रम के तहत सहायक उपकरण देने के कार्यक्रम से संबंधित भी शिविर होंगे। देश भर में रक्तदान शिविर स्कूल और अस्पतालों में सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। साठ से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए मुफ़्त स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जाएंगे। मोदी जी के व्यक्तित्व और उपलब्धियों पर पंद्रह दिनों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी. इसके अलावा दो अक्टूबर तक वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जाएगा। 25 सितंबर को दीनदयाल उपाध्याय जयंती को देखते हुए पार्टी के नेता घर–घर संपर्क अभियान चलाएंगे जिसमें 100 सदस्य बनाये जायेंगे गांधी जयंती 2 अक्टूबर पर स्वच्छता अभियान प्रत्येक परिवार कम से कम एक खादी उत्पाद ख़रीदे, वैसा कुछ अभियान चलाएगी। कहते हैं "**सेवा है यज्ञ कुण्ड, समिधा में हम जलें**" हम सब सामाजिक राजनैतिक कार्यकर्ता होने के कारण अपनी सेवा को समिधा रूप में समर्पित करें। आज विश्व में अनेक प्रकार की चुनौतियां गरीबी, बेरोजगारी, प्रकृति में असन्तुलन, पर्यावरण प्रदूषण, कुशिक्षा, असंस्कार, दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। पहले हम प्रार्थना करते थे।

वह शक्ति हमें दो दयानिधे,
कर्तव्य मार्ग पर डट जावें।
पर सेवा पर उपकार में हम,
निज जीवन सफल बना पावें।।
हम दीन दुःखी निर्बलों विकलों के,
सेवक बन सन्ताप हरें।
जो हैं अटके भूले भटके,
उनको तारें खुद तर जावें।।
निज आन मान मर्यादा का,
प्रभु ध्यान रहे अभियान रहे।
जिस देश जाति में जन्म लिया,
बलिदान उसी पर हो जावें।।

सन्तों की वाणी है दरिद्र नारायण की सेवा ही ईश्वर सेवा है। अपने जीवन में आचरण, स्वभाव, राजनीति से दीनदुखियों की सेवा में ही आनन्द है। स्वामी विवेकानन्द ने देश के भूखे–नंगे, दरिद्र नारायण की उपासना को सच्ची सेवा बताया। आज आवश्यकता है सभी चुनौतियों के समाधान के मार्ग को हम सब मिलकर प्रशस्त करें।

संकल्प : सशक्त भाजपा, विकसित भारत

भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसी पार्टी है, जो संगठन के संविधान के अनुसार और प्रजातान्त्रिक तरीके से चलती है।

भाजपा की 18 करोड़ से ज्यादा सदस्य होने के बाद भी पार्टी संविधान के अनुच्छेद 9 के तहत हर 6 साल में सदस्यता का नवीनीकरण किया जाता है, इसलिए सदस्यता अभियान पुनः शुरू हो रहा है।

सदस्यता का पहला चरण आदरणीय प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से प्रारंभ हो रहा है जो 25 सितंबर तक चलेगा, दूसरा चरण 1अक्टूबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक और उसके बाद सक्रिय सदस्यता अभियान 16 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक चलेगा।

777 जिलों में, लगभग 11486 कार्यशालएं मण्डल स्तर पर और 4 लाख से अधिक बूथों पर कार्यशालाएं सम्पन्न हो चुकी हैं।

भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता मिस कॉल से, व्हाट्सएप के माध्यम से, वेबसाइट से, क्यू आर कोड, नमो एप और पार्टी की पर्ची से भी दी जाएगी। मिस कॉल और **व्हाट्सएप नंबर 8800002024** है। पार्टी सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करेगी ।

प्रधानमंत्री जी जिस तरह से विकसित भारत के लक्ष्य को दिन–रात आगे बढ़ा रहे हैं, इस कार्यक्रम को साकार रूप देने में पार्टी का एक–एक कार्यकर्ता अपना पूरा योगदान देगा और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के करकमलों से भाजपा के "संगठन पर्व" राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 के शुभारंभ अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के सदस्यता अभियान के सभी चरणों की जानकारी दी और सदस्यता अभियान को सफल बनाने का संकल्प दोहराया। नरेन्द्र मोदी जी ने मिस्ड कॉल के जरिये इस अभियान के तहत सबसे पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान मंच पर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री श्री अमित शाह सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सदस्यता अभियान देश का सामर्थ्य बढ़ाने के लिए : मोदी

सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से लेकर के अब तक, हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है। जब तक जिस संगठन के माध्यम से, या जिस राजनीतिक दल के माध्यम से, देश की जनता सत्ता सुपुर्द करती है। वो इकाई, वो संगठन, वो दल अगर लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं जीता है। आंतरिक लोकतंत्र निरंतर उसमें पनपता नहीं है, तो वैसी स्थिति बनती है, जो आज देश के कई दलों की हम देख रहे हैं। और जैसा अमित भाई ने कहा हिंदुस्तान में एकमात्र यही दल है, जो अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार अक्षरक्षः लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को, उसका पालन करते हुए अपने कार्य का विस्तार कर रहा है। और जन सामान्य की आशा–आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए अपने–आपको निरंतर योग्य बनाता रहता है।

यह दल ऐसे ही यहां तक नहीं पहुंचा है। अनेकों पीढ़ियां खप गई हैं। वर्तमान पीढ़ी के अनेक कार्यकर्ता हैं, जिनके नाम भी नहीं जानते होंगे। ऐसे लोगों ने अपना जीवन खपाया, तब जाकर के ये दल, लोगों के दिलों में जगह बना पाया है। मैं जब राजनीति में नहीं था। उस जनसंघ के जमाने में बड़े उत्साह के साथ अपने कार्यकर्ता दीवारों पर दीपक, उस समय जनसंघ का निशान था। उसको पेंट करते थे और कई राजनीतिक दल के नेता अपने भाषणों में मजाक उड़ाते थे कि दीवारों पर दीपक पेंट करने से सत्ता के गलियारों के तक नहीं पहुंचा जा सकता। ऐसा कहते, मजाक उड़ाते थे। हम वो लोग हैं, जिन्होंने दीवारों पर कमल पेंट किया। लेकिन इतनी श्रद्धा से पेंट किया कि विश्वास था, ये दीवारों पर पेंट किया हुआ कमल कभी ना कभी तो दिलों पर भी पेंट हो जाएगा।

और कुछ लोग हमेशा हमारी मजाक उड़ाते रहे हैं। जब.....

श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानसेवक होने के नाते प्रशासन की बारीकियों में दिन रात व्ययस्थ रहते हैं, इसके बावजूद उनके लिए संगठन सर्वोपरि और सर्वप्रथम है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी पार्टी के हर कार्य में अपना ध्यान लगाकर, पार्टी कैसे आगे बढ़ सकती है इसकी चिंता करते हैं। जब गृहमंत्री श्री अमित शाह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तब उन्होंने सदस्यता अभियान को प्रथमिकता देते हुए कहा था कि हम संगठन के रास्ते और तरीके बदलेंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी में समावेशित किया जा सके। तब पहली बार डिजिटल सदस्यता देने का फैसला लिया गया था। उस समय पूरे 6 महीने तक सदस्यता अभियान चलाकर 10 करोड़ लोगों को पार्टी का सदस्य बनाया गया था।

कि इस बार के सदस्यता अभियान में भी 10 करोड़ से अधिक लोगों को शामिल किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसी पार्टी है जो संगठन के संविधान के अनुसार और प्रजातान्त्रिक तरीके से चलती है। भाजपा की 18 करोड़ लोगों की सदस्यता होने के बाद भी पार्टी के संविधान के अनुच्छेद 9 के तहत हर 6 साल में सदस्यता का नवीनीकरण कराना होता है, इस लिए सदस्यता अभियान पुनः शुरू हो रहा है। भाजपा एक अकेली ऐसी पार्टी है जिसमें प्रदेश, जिला, मण्डल, शक्ति केन्द्र और बूथ स्तर पर भी सदस्यता अभियान चलाने का कार्य होता है। भाजपा प्रजातान्त्रिक तरीके से पहले ही घोषित करती है कि किस चरण में और कैसे सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान पूरी तरह से पारदर्शी होता है, इसे घर में बैठकर नहीं किया जाता। सदस्यता का पहला चरण आदरणीय प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से आज प्रारंभ हो रहा है जो 25 सितंबर तक चलेगा, दूसरा चरण 1 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक चलेगा, उसके बाद भाजपा की सक्रिय सदस्यता 16 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक चलेगी। भारतीय जनता पार्टी के संविधान के अनुसार एक सक्रिय सदस्य ही चुनाव में भाग ले सकता है।

संसद में हमारे दो सदस्य थे। तब भी इतना भद्दा मजाक हमारे लिए उड़ाया गया था। कुछ लोगों का चरित्र ही ऐसा होता है। और उनको लगता है कि ऐसा करने से वो बड़े बन जाते हैं। लेकिन ऐसी सब प्रकार की आलोचनाओं को झेलते हुए जन सामान्य के कल्याण के लिए समर्पित होकर के, नेशन फर्स्ट की भावना को जीते हुए, हम चलते ही रहे और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने हमें मंत्र दिया था चरैवेति–चरैवेति–चरैवेति, चलते रहो। एक समय था, जब जनसंघ और भाजपा के कार्यकर्ता की पहचान और आज भी कुछ राज्यों में भारतीय जनता पार्टी, उसी जीवन को जीते हैं और अपने आदर्शों के लिए जूझते हैं।

हमारे कार्यकर्ताओं के लिए क्या कहा जाता था, चाहे वह जनसंघ का कार्यकर्ता हो या भाजपा का। उसका एक पैर रेल में होता है और दूसरा पैर जेल में होता है। रेल में इसलिए कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता निरंतर भ्रमण करता था। प्रवास करता था। जहां भी उसको जाना होता, वो दौड़ता रहता था। और समाज की समस्याओं के समाधान के लिए, सत्ता पर बैठे हुए लोगों के सामने संघर्ष करता था और इसलिए कभी जेल, तो कभी बाहर, ये उसकी स्थिति रहती थी। मुझे याद है करीब 50 साल पहले की बात होगी। जनसंघ के लोग अहमदाबाद में सत्याग्रह कर रहे थे। और एक अपनी कार्यकर्ता बहन जो जेल गई थी। करीब–करीब एक महिला लोग सब जेल में रहे थे, सिर्फ आंदोलन करने के लिए। और उसकी गोद में नौ महीने का बच्चा हाथ में लेकर के वो जेल में एक महीना गुजार करके आई थी। ऐसे जुल्म सहकर के पार्टी यहां पहुंची है। और ये जुल्म करने वाले लोग, एक छोटे से जुलूस को भी स्वीकार करने को तैयार नहीं होते थे। जेल में बंद कर देते थे। सत्ता का नशा उतना था उनको।

मैंने सालों तक संगठन में ही काम किया है। मैं भी कभी इसी प्रकार की बैठक लिया करता था, दौरा किया करता था। सदस्यता अभियान का हिसाब–किताब किया करता था। और मेरी ट्रेनिंग इस काम के लिए प्रमुख रूप से हमारे माननीय सुंदर सिंह जी भंडारी जी ने की थी। और वे इस विषय में बहुत आग्रही रहते थे। थोड़ा–सा भी वो इधर–उधर स्वीकार नहीं करते थे। कभी–कभी लोगों को ऐसा भी लगता था कि भई एक स्ट्रक्चर बना देने से क्या होगा। लेकिन आज हम देख रहे हैं कि उसी स्ट्रक्चर ने देश के आशा–अपेक्षा को पूर्ण करने के लिए एक माध्यम बना दिया। अब हम सदस्यता के लिए जाएंगे।

ये सदस्यता कर्मकांड नहीं है। हमारे लिए सदस्यता यानी, अपने परिवार का विस्तार है। हमारे परिवार में अगर किसी का जन्म होता है तो जितनी खुशी होती है। हमारे परिवार में शादी कर करके कोई बहु आती है। तो परिवार के विस्तार का जो आनंद होता है, वो आनंद बीजेपी में जो कोई नया सदस्य बनता है। परिवार के विस्तार का आनंद होता है। और इसलिए यह सदस्यता अभियान आंकड़ों का खेल नहीं दोस्तों। कितने नंबर हम पार कर जाएंगे, ये नहीं है। ये सदस्यता अभियान एक पूर्ण रूप से वैचारिक आंदोलन भी है और भावनात्मक आंदोलन भी है। और हमने संगठन की गाड़ी को उस पटरी पर दौड़ाना है, जिसमें वैचारिक धार भी हो और भावनाओं से भरपूर भी हो। क्योंकि हमारी भावनाएं देशभक्ति से प्रेरित हैं। मां भारती के कल्याण के लिए 140 करोड़ देशवासियों के कल्याण के लिए।

ये जो सदस्यता अभियान होगा, संगठन की रचना होगी। बूथ कमेटियां बनेगी। पहले हम सदस्यता अभियान करते थे और अब सदस्यता अभियान करें, कुछ चीजें हम नए तरीके से सोच सकते हैं क्या। जैसे, ये जो सदस्य अभियान होगा, उसी समय जो संगठन की रचना होगी। उसी कालखंड में विधानसभाओं में और लोकसभा में 33 परसेंट रिजर्वेशन लागू हो गया होगा। महिलाओं के लिए

अगर यह 33 परसेंट रिजर्वेशन इसी कालखंड में आने वाला है, तो क्या मेरी सदस्यता अभियान में, मैं ऐसे सभी लोगों को जोड़ूंगा, जो मेरे पार्टी के इतने महत्त्वपूर्ण निर्णय में अधिकतम महिलाओं को विजयी बनाकर के एमएलए, एमपी बना सके।

हमारे देश में पूरे विश्व के लिए, खास करके ग्लोबल साउथ के देशों के लिए, डेवलपिंग कंट्रीज के लिए, एक मॉडल रूप काम हमने किया है। और वो है, एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट। एस्पिरेशनल ब्लॉक। और हम चाहते हैं कि जो अब तक, जिसकी कोई चिंता कोई नहीं करता था, परवाह नहीं करता था। मुलाजिम भी वहां पर नौकरी करने के लिए जाने को तैयार नहीं होता था। पिछड़े रहते थे। हमने उसने उसे एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट, एस्पिरेशनल ब्लॉक बनाया है। और हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द उस राज्य की जो पैरामीटर हैं, उसमें जरा भी पीछे ना हो। हो सके तो उससे भी आगे जाए। और हो सके तो नेशनल लेवल पर भी जो पैरामीटर्स में आ जाए। और इतना सुखद अनुभव रहा है कि एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट में गवर्नेंस पर फोकस करने के कारण, जन भागीदारी के कारण, जनसामान्य की आकांक्षा–अपेक्षाओं को चिन्हित करकर उस पर काम करने के कारण आज देश की एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट, एस्पिरेशनल ब्लॉक करीब–करीब स्टेट में टॉप की बराबरी करने लग गए हैं। क्या हम अपना संगठन की रचना करते समय ये एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट, एस्पिरेशनल ब्लॉक उसमें विशेष अभियान चला करके, वहां के हर पोलिंग बूथ में, अपना झंडा गाड़ सकते हैं दोस्तों। और हमें कागज लेकर बैठना पड़ेगा, भई मेरे इलाके में ये एस्पिरेशनल ब्लॉक है। उन एस्पिरेशनल ब्लॉक के अंदर इतने पोलिंग बूथ हैं। उस पोलिंग बूथ के अंदर मुझे इतनी मेंबरशिप का टारगेट है। मैं उसको करूंगा। हम प्रयास करें।

आपने देखा होगा, हमने एक बहुत बड़ा आमूलचूल परिवर्तन किया है। किसी समय हिंदुस्तान के आखिरी गांव के रूप में सीमावर्ती गांव जाने जाते थे। और नेगेटिविटी का जन्म उस शब्दों में ही शुरू हो जाता था। हमने तय किया कि आखिरी गांव नहीं है, ये मेरे देश के पहले गांव हैं। अगर ये गांव हिंदुस्तान के सीमा के छोर पर है। अगर सूरज की पहली किरण आएगी, पूर्व में होगा तो पहले उसी को स्पर्श करते हुए हम तक पहुंचेगी। वो पहला गांव है और इसलिए हमने पूरी तरह बदला है विचार। क्या हम एक स्पेशल इकाई बनाएं, जो–जो राज्य सीमावर्ती राज्य हैं, वे ये जो पहला गांव है। उसमें सबसे पहले मेंबरशिप का अभियान चलाएं। और पूरे के पूरे गांव को भारतीय जनता पार्टी का किला बना सकते हैं। और जो सीमा के आखिरी छोर पर बैठा हुआ वो गांव जब भारतीय जनता पार्टी का किला बनता है ना, तब वह भारत का किला अपने–आप बन जाता है। तो मेरे लिए सदस्यता ये सिर्फ पार्टी का नंबर बढ़ाने के लिए नहीं, मेरी सदस्या मेरे देश को मजबूत बनाने के लिए भी है और इसलिए मैं उन गांवों को किला बना के छोड़ूंगा। ये सब, ये सब मुमकिन है लाखों कार्यकर्ताओं के तपस्या के कारण।

उसी प्रकार से जहां दो राज्य की सीमाएं मिलती हैं। क्या अभी से प्लान कर सकते हैं, कि उन दो राज्य की सीमा पर डेट निश्चित करके, मान लीजिए महाराष्ट्र और गुजरात की सीमाएं मिलती हैं। तो महाराष्ट्र के कार्यकर्ता उनकी सीमा पे आएंगे। गुजरात के कार्यकर्ता उस दिन उनकी सीमा पर जाएंगे। और एक सीमा पर उनके गांव, इसके गांव साथ मिलकर के मेंबरशिप बनाएंगे। महाराष्ट्र का गांव होगा वहां गुजरात के लोग भी नजर आएंगे। गुजरात का गांव होगा, महाराष्ट्र के लोग नजर आएंगे। और उस स्टेट के बॉर्डर के सभी गांवों को मैं कवर कर सकता हूं। मैं जब मैं कहता हूं एक भारत, श्रेष्ठ भारत, मेरे एक भारत श्रेष्ठ भारत की ये जो यह जो रेखाएं बनी हुई हैं नक्शे पर। मेंबरशिप के द्वारा मैं महाराष्ट्र के गांव को, गुजरात के गांव को, वहां के दिलों को जोड़ने के लिए मैं मेरा कमल खिला सकता हूं क्या।

और इसलिए मैं कहता हूं, साथियों यह सदस्यता अभियान मेरे देश का सामर्थ्य बढ़ाने के लिए है। हमने हमारे ट्राइबल इलाके, मुझे याद है एक सदस्यता अभियान के समय में

हिमाचल में, मेरा दौरा था। ये नड्डा जी के इलाके में। और मैं पहाड़ी क्षेत्रों में जाना चाहता था। एक पोलिंग बूथ पर जाने में मेरा एक दिन लगता था। पहाड़ों पर चढ़ना पड़ता था। और वहां जाकर के 20–22 का लोगों की मीटिंग करके मैं नीचे उतरता था। पूरा दिन मेरा चला जाता था, लेकिन मुझे आनंद होता था कि वहां कोई तो होता था, जो पूछता था कि साहब ठंड बहुत है। पहले चाय पी लीजिए। यानी किसी ने तो तपस्या की थी। किसी ने तो मेहनत की थी। क्या हम हमारे जो ट्राइबल बेल्ट है, उसमें दूरदराज के जो क्षेत्र हैं, उसमें भी, अभी जैसे आपने देखा होगा पीएम जन मन योजना शुरू की है। यह पीएम जन मन योजना हमारे आदिवासी क्षेत्रों में भी, ऐसे–ऐसे इलाके हैं। ऐसे–ऐसे समूह हैं, जहां व्यवस्थाएं इतने सालों के बाद भी पहुंच नहीं पाईं थीं।

हमने पीएम जनधन योजना बनाकर के स्पेशल एफर्ट शुरू किया है। वो पॉलिटिकल वोट बैंक होने की ताकत नहीं है। क्योंकि बहुत छोटी संख्या में है। लेकिन साथियों, अगर उंगली का नाखून भी पक जाता है ना तो पूरे शरीर में दर्द होता है। वह भी तो मेरा शरीर के हिस्से हैं। वो दुखी हो, वो दुखी हो, पीड़ित हो, मेरे देश में मुझे भी उसकी पीड़ा होती है। इस पीड़ा का अनुभव करते हैं, तब जाकर के पीएम जन मन योजना जन्म लेती है। सरकार तो पहुंचेगी, रोड भी बन जाएंगे, बच्चों का स्कूल में एडमिशन भी हो जाएगा, लेकिन कमल कौन खिलाएगा कौन खिलाएगा। कौन खिलाएगा। और इसलिए साथियों, हम इस प्रकार से फोकस करके इन समाजों तक हम पहुंच सकते हैं क्या।

आज देश में वो लोग, जिन्होंने तीन–तीन, चार–चार पीढ़ी में पक्का घर नहीं देखा था। जिनका कोई अता–पता नहीं था। वो झुग्गी–झोपड़ी में जिंदगी गुजारते थे। वो फुटपाथ पर जिंदगी गुजारते थे। आज यहां तो कल वहां। ऐसा ही उनका बसेरा हुआ करता था। ऐसे चार करोड़ परिवारों को हमने एड्रेस दिया है। और जब जिंदगी में घर का पता तय हो जाता है ना, तो मंजिल का पता भी अपना आप बनने लग जाता है। जिनको घर मिला है। जिनकी जिंदगी में अब अपना एक स्थाई, पीढ़ियों के बाद, चार–चार, पांच–पांच पीढ़ी में कभी उन्होंने पक्के घर में जिंदगी नहीं गुजारी होगी। क्या यह मौका नहीं है दोस्तों उनके पास जाने का। लिस्ट लेकर के उनके पास जाना चाहिए कि नहीं जाना चाहिए। क्या उसको नहीं लगना चाहिए कि जिस कमल ने घर की दीवारें बनाई हैं। उस कमल को मैं अब दिल के अंदर जगह दे दूं। ये भाव उसके अंदर पैदा नहीं हो सकता है और इसलिए मैंने कहा कि हमारे लिए ये हमारा जो परिवार का विस्तार है, वो विस्तार अपने–आपको फैलाने का है, ऐसा नहीं है। अनेक लोगों को अपने–आप में समाने का है। हमारे भीतर समाहित करना है। हमारे सुख– दुख का साथी बनाना है। और तब जाकर के एक ऐसा भाजपा परिवार पूरे देश में निर्माण होता है, जो राष्ट्र के सपनों को पूरा करने के लिए एक कैटेलिक एजेंट के रूप में बहुत बड़ी सेवा कर सकता है।

और इसलिए साथियों इस सदस्यता अभियान को एक पवित्र कार्य मान करके हमने करना चाहिए। और जब कोई व्यक्ति सदस्य बनता है ना, जैसे कोई नया बच्चा स्कूल जाता है तो मां–बाप कैसा माहौल बनाते हैं। तिलक करेंगे, मिठाई खिलाएंगे, अच्छे कपड़े पहनाएंगे। उसी भाव से सदस्य बनना चाहिए। और मुझे अच्छा लगा आज मुझे इस वातावरण में सदस्य बनने का मौका मिला। उत्सव के वातावरण में, मैं सदस्य बन रहा हूं। हम भी सदस्यता अभियान को उत्सव में परिवर्तित करें। सामने वाला हमारे परिवार में जुड़ रहा है, मतलब हम बड़े गौरव अनुभव कर रहे हैं कि आप हमारे यहां आए। हमें यह भाव नहीं लाना चाहिए कि हमने उपकार किया है तुम्हें मेंबर बना के। नहीं, आपने देश हित के लिए आगे आए हैं, हमारे लिए गौरव की बात है। आप हमारे एक साथी बन गए हैं। जीवन में इससे हमें और क्या धन्यता चाहिए।

आज जो 18–20 साल की उम्र के लोग हैं। उन्होंने वो अखबार नहीं पढ़े हैं, जिसकी हेडलाइन हुआ करती थी कि आज इतने लाख का घोटाला हो गया। आज इतने करोड़ का घोटाला हो गया। आज ये हो गया, ये हो गया, ये हो गया। आज जो 18–20 साल के बच्चे हैं उन्होंने ये पढ़ा नहीं है। उन्हें पता नहीं है कि 10 साल 11 साल के पहले

देश के हालत क्या थे। उसने एक नया हिंदुस्तान देखा है और इसलिए उसके सपने भी वहीं से शुरू हो जाते हैं। और तब जाकर के हमारी जिम्मेवारी अनेक गुना बढ़ जाती है। क्या हमारा दायित्व नहीं है कि 18 से 25 साल की एक पूरी पीढ़ी को टारगेट करके, प्लान करके भारतीय जनता पार्टी से जोड़ें, ताकि उनको भी पता चले उनके माता–पिता ने कितने बुरे दिन देखे थे। उनके माता–पिता कितनी मुसीबतों से गुजरते थे। एक टेलीफोन का कनेक्शन लेने के लिए उनको एमएलए, एमपी के घर में चक्कर काटने पड़ते थे। एक गैस का कनेक्शन लेने के लिए उनको सालों तक इंतजार करना पड़ता था। कभी बिजली का कनेक्शन नहीं मिल पाता था। अंधेरे में जिंदगी गुजर जाती थी। बच्चों के लिए पढ़ाई का प्रबंध नहीं था। 18 से 25 साल के उन हमारे देश के बेटे–बेटियों ने अपने मां–बाप किस मुसीबतों से गुजरते थे, जिंदगी जीते थे, उससे वो अनभिज्ञ हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता का काम है कि उसे भारतीय जनता पार्टी में हमारा मेंबर बनाकर के साथी बना करके उसे, हम कहां से कहां देश को ले गए हैं, ये आत्मविश्वास से भरने की जरूरत है।

मेरे सामने 18–25 साल का उम्र का नौजवान, वो मेरे 2047 के सपने का सबसे बड़ी शक्ति का स्रोत है। 2047 में मेरा देश विकसित भारत बनेगा। आज जो 18–20, 22–25 साल का नौजवान है। वो उस समय 50 साल का हुआ होगा। उसकी जीवनी की सबसे ऊर्जावान समय देश विकसित भारत की यात्रा में होगा। उस समय उसकी जीवन की यात्रा चलती होगी। एक इतना बढ़िया संजोग होगा कि उसका सामर्थ्य हमें विकसित भारत बनाने के सपने पूरे करने में काम आएगा। और इसलिए विकसित भारत के सपने पूरे करने के लिए जिस सामर्थ्य की मुझे जरूरत है। वह 18 से 25 साल का मेरा नौजवान है। उसे हमने इस विचार से जोड़ना है, नेशन फर्स्ट के लिए जीने के लिए जोड़ना है।

हम सिर्फ चुनावी मशीन नहीं है। हम वो खाद–पानी है, जो देशवासियों को सपनों को हम सींचा करते हैं। हम वो खाद पानी हैं, जो अपने–आप को खपा करके देश के सपनों को संकल्प और संकल्प को सिद्धि तक ले जाने की यात्रा में अपने–आपको डुबो देते हैं जी। और इसलिए भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता चुनाव, कुछ लोगों ने कह दिया है, मशीन ये तो चुनावी मशीन है भाजपा के पास। इससे बड़ा भाजपा का कोई अपमान नहीं हो सकता है। अरे चुनाव जीतना ये तो मेरी पार्टी के कार्यकर्ताओं के निरंतर पुरुषार्थ और प्रयास के परिणाम एक बाय प्रोडक्ट है। और इसलिए साथियों, हमें निरंतर नई पीढ़ियों को भी तैयार करना है। और एक बात मान के चलिए, जो ये सोचता है कोई आएगा तो मेरा क्या होगा। वो मान के चल रहे हैं, कोई आएगा तो नहीं, लेकिन तुम जहां हो, वहां से कहीं ऊपर जा नहीं सकते हो। जैसे–जैसे नीचे तुम नए लोगों को लाते जाओगे। वैसे–वैसे तुम ऊपर चले जाओगे। ऊपर जाने का तरीका यही है कि नीचे जितनी मजबूती देते हैं, उतना ऊपर जाने की गारंटी पक्की हो जाती है। कुछ लोगों की मानसिकता रहती है कि अरे यार, ये आएगा तो मेरा क्या होगा। वो आएगा तो आपकी मजबूती बढ़ेगी। आपकी इज्जत बढ़ेगी। और आपके द्वारा इच्छित कामों को परिणाम लेने में वो आपका साथी बन कर के काम करेगा।

लोकतांत्रिक मूल्यों को जीने वाली हमारी पार्टी है। हम व्यवस्था में भी लोकतंत्र को स्वीकार करते हैं। हम विचार में भी लोकतंत्र को स्वीकार करते हैं। हम संस्कार में भी लोकतंत्र को स्वीकार करते हैं। हमारा ये सदस्यता अभियान उस नई ऊंचाइयों को पार करने वाला बने।

आज देश के गरीब का सबसे अधिक विश्वास हमारी नीतियों में है, हमारे निर्णयों में है।

समाज के अधिकतम लोग के, मैं तो शुरू यही चाहूंगा, आप अपने इलाके में कि जिस पोलिंग बूथ में सी ग्रेड का पोलिंग बूथ मानते हैं ना। सदस्य अभियान वहीं से शुरू करो। जिसे आप पिछले दो–तीन चुनाव में जिसको सी ग्रेड का पोलिंग बूथ मानते हैं। जहां पर आपको मिनिमम वोट मिले हैं। सदस्यता अभियान वहीं शुरू करना चाहिए। दोस्तों, चुनौती को चुनौती देना, ये तो भारतीय जनता पार्टी की रगों में है। जहां सरस सरलता है, जहां स्वीकार्यता है, जहां सम्मान है, आदर–सत्कार है, वहां तो मेंबरशिप करना आसान हो जाएगा। उसको करते भी रहना है, लेकिन जहां चुनौती है, वहीं दिलों में कमल खिलाना है। और हमारी कसौटी इसी में है।

आज देश के गरीब का सबसे अधिक विश्वास हमारी नीतियों में है, हमारे निर्णयों में है। हमने लिए हुए रास्ते से मिले परिणामों में है। और इसलिए हमें उस सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ना है। मुझे पक्का विश्वास है नड्डा जी के नेतृत्व में पार्टी की संगठन की शक्ति पूरी तरह लगी है, तब ये सदस्यता अभियान पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ेगी। ये सदस्यता अभियान अनेक नए बूथों तक पहुंचेगी। ये सदस्यता अभियान देश के सबसे पहले गांव है, वहां पर भाजपा का झंडा हम यहां से देख सकें, ऐसे बनेगी।

सर्व स्पर्शी-सर्व व्यापी भाजपा का विस्तार हो : शाह

"संगठन पर्व" राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 के शुभारंभ अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता सिर्फ सदस्य नहीं है, बल्कि कार्यकर्ता एक जीवंत एकाई है, एक विचारधारा का वाहक है, कार्य संस्कृति का पोषक है तथा सरकार और संगठन के बीच में कड़ी का काम करते है, जिसके कारण सरकार हमेशा जनता से जुड़ी रहती है। भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के साथ–साथ सबसे अनूठी पार्टी भी है। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो हर 6 साल में अपने सदस्यता अभियान को संचालित करती है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मिस्ड कॉल के जरिये इस अभियान के तहत सबसे पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान मंच पर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह सहित अन्य पार्टी के अन्य नेता व पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के साथ–साथ राजनीतिक दलों में सबसे अनूठी पार्टी भी है। आज भारत के राजनीतिक मानचित्र में 1500 से ज्यादा राजनीतिक दल हैं, मगर कोई भी राजनीतिक दल लोकतांत्रिक तरीके खुलेपन और सातत्यपूर्ण तरीके से हर 6 साल में अपने सदस्यता अभियान को संचालित नहीं करती है। केवल भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जिसने इस परंपरा एवं संस्कृति को लेकर सदैव आगे बढ़ा है। भाजपा के कार्यकर्ता सदस्यता अभियान की शुरुआत से समापन तक फिर से पार्टी की सदस्यता लेंगे। भारतीय जनता पार्टी के कई शुभेक्षक पार्टी के कार्यकर्ता बनेंगे और धीरे–धीरे पार्टी में समाहित होंगे। भाजपा में कार्यकर्ता सदस्यता का अंग नहीं है, यहाँ कार्यकर्ता एक जीवंत एकाई है, एक विचारधारा का वाहक है, कार्य संस्कृति का पोषक है तथा सरकार और संगठन के बीच में कड़ी का काम करते है, जिसके कारण सरकार हमेशा जनता से जुड़ी रह पाती है।

हम सभी हर गाँव, हर शहर, हर घर, द्वीप, जंगल, पहाड़ पर जाकर भाजपा पार्टी का विस्तार करें।

भाजपा कार्यकर्ताओं के जनता के जुड़ाव के कारण ही सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण का सपना पूर्ण किया जाएगा। 1950 में इस कारवें की शुरुआत हुई, भाजपा उस समय एक छोटी इकाई थी। एक छोटी इकाई से लेकर राष्ट्र की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक, हर चुनाव में भाजपा ने भारत माता की जय के जयकारे के साथ, विरोधियों को हमेशा ललकारा है। यह उत्साह एक जीवंत संगठन से ही आता है। सदस्यता अभियान की शुरुआत में एक कार्यशाला आयोजित की गई थी, तब मैंने कहा था कि भाजपा का सदस्यता अभियान सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी होना चाहिए। सदस्यता अभियान से कोई बूथ अछूता नहीं रहना चाहिए। सर्व–समावेशी का मतलब है कि हर उम्र, समूह, जाति, मजहब के प्रत्येक व्यक्ति को भाजपा में सम्मिलित करने के लिए सदस्यता अभियान आगे बढ़ना चाहिए। सदस्यता अभियान के लिए कार्य योजना बनाई गई है और 2014 की भांति, भाजपा सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करेगी।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा एक विचारधारा को लेकर चली है, भाजपा ने अपनी विचारधारा के आधार पर राजनीति में काम करना शुरू किया। भारतीय जनता पार्टी ने कई वर्षों तक संघर्ष किया, कई हार देखी, कई प्रचंड पराजय झेली और साथ में विजय को भी महसूस किया, मगर पार्टी निरंतर अपने कार्य को करती रही है। विगत 10 वर्षों के अंदर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने 60 करोड़ गरीबों को घर, बिजली, राशन, गैस और 5 लाख तक की स्वास्थ्य की सभी सुविधाएं प्रदान की हैं। ग्रामीण विकास हो, शहरी विकास हो, ऊर्जा का क्षेत्र हो, अंतरिक्ष का क्षेत्र हो, डिजिटलाईजेशन हो, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाना हो, आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को मजबूत करना हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो या शिक्षा क्षेत्र में नई शिक्षा नीति हो, हर क्षेत्र में विगत 10 वर्षों में देश ने नई उचाइयों को हासिल किया है और विश्व में अपना स्थान बनाया है। यह भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है। विगत 10 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के कई लंबित मुद्दों का हल निकला है। चाहे राम मंदिर हो, धारा 370 को हटाना हो, यूसीसी का आगाज करना हो, तीन तलाक को समाप्त करना हो या काशी विश्वनाथ में कॉरिडर बनान हो, यह सारे कार्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किए गए हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मिस्ड कॉल के जरिये इस अभियान के तहत सबसे पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। ने कहा कि पूरे देश में भाजपा के इतिहास में कार्यकर्ताओं को संगठन बनाने का काम और सदस्यता को संस्थागत करने का काम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। 80 के दशक में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी गुजरात के संगठन मंत्री बने थे, लेकिन तब कटी हुई पर्चियां रजिस्टर नहीं होती थी। मैं स्वयं उस अभियान का सह प्रभारी था और श्रीमति आनंदी बेन पटेल प्रभारी थी। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उस समय दिन–रात 45 दिन तक गाड़ी में सफर किया और सदस्यता अभियान को संस्थागत किया। उस समय हर सदस्य का डेटा रजिस्टर किया गया और गुजरात के संगठन को मजबूती प्रदान की गई। संगठन में जान डालना पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की जिम्मेदारी होती है।

श्री शाह ने कहा कि आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने पार्टी के सदस्यता का लक्ष्य सबके सामने रखा है और सदस्यता अभियान को पूर्ण कर नया संगठन संगठित किया जाएगा और फिर एक बार भारत विजय और भाजपा विजय का अभियान शुरू किया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हम सबके सामने महान भारत और विकसित भारत की कल्पना और आजादी की शताब्दी वर्ष में भारत को हस क्षेत्र में सर्वप्रथम बनाने का स्वप्न हम सबके सामने रखा है। इस स्वप्न सिद्धि का मार्ग भाजपा कार्यालय से जाता है और इसके लिए ही यह सदस्यता अभियान शुरू किया जा रहा है। हम सबको मिलकर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के संदेश को हर गली–घर में, गाँव में, शहर में, पहाड़ में, जंगल में, द्वीपों में, हर जगह जाकर भाजपा के परिवार का विस्तार करना है। सभी कार्यकर्ता पार्टी में फिर से एक बार नया खून लाए और लोगों को पार्टी के कार्य संस्कृति से परिचित कराएं। श्री अमित शाह ने विश्वास जताया कि भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता इस अभियान को सफल बनाएंगे और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के महान भारत और विकसित भारत के सपने को संगठन के माध्यम से चरितार्थ करेंगे।

सौर ऊर्जा भारत की प्रगति का मार्ग

वेद ऐसे ग्रंथ हैं जिनकी रचना हजारों साल पहले की गई थी। वेदों में मौजूद सबसे लोकप्रिय मंत्रों में से एक मंत्र सूर्य के बारे में है। आज भी करोड़ों भारतीय रोजाना इसका जाप करते हैं। दुनिया भर में कई संस्कृतियों ने अपने–अपने तरीके से सूर्य का सम्मान किया है। दुनिया के अधिकांश क्षेत्रों में सूर्य से संबंधित त्यौहार भी होते हैं। ये अंतर्राष्ट्रीय सौर महोत्सव सूर्य के प्रभाव को सेलिब्रेट करने के लिए पूरी दुनिया को साथ लाता है। ये एक ऐसा त्यौहार है जो हमें एक बेहतर ग्रह बनाने में मदद करेगा।

2015 में, आईएसए की शुरुआत एक छोटे से अंकुर, आशा और आकांक्षा के क्षण के रूप में हुई। आज ये नीति और कार्रवाई को प्रेरित करने वाले एक विशाल वृक्ष के रूप में बड़ा हो रहा है। इतने कम समय में आईएसए ने 100 देशों की सदस्यता के साथ बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। इसके अतिरिक्त, 19 और देश पूर्ण सदस्यता प्राप्त करने के लिए फ्रेमवर्क समझौते का अनुमोदन कर रहे हैं।

प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सौर महोत्सव

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में कई बड़े कदम उठाए हैं। हम नवीकरणीय ऊर्जा पर पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले पहले जी20 देश हैं। सौर ऊर्जा की उल्लेखनीय वृद्धि इसे मुमकिन कर दिखाने वाला एक प्रमुख कारण है। पिछले 10 वर्षों में हमारी सौर ऊर्जा क्षमता 32 गुना बढ़ गई है। ये गति और आकार हमें 2030 तक 500 गीगावाट गैर–जीवाश्म क्षमता हासिल करने में भी मदद करेगा।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की प्रगति एक स्पष्ट दृष्टिकोण का परिणाम है।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की प्रगति एक स्पष्ट दृष्टिकोण का परिणाम है। चाहे भारत हो या दुनिया, सोलर अडॉप्शन को अगर बढ़ाना है तो जागरूकता, उपलब्धता और किफायत ही उसका मूलमंत्र है। सौर क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करके, सतत ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने से इसकी उपलब्धता भी बढ़ेगी। विशिष्ट योजनाओं और प्रोत्साहनों के जरिए हमने सौर ऊर्जा के विकल्प को भी किफायती बनाया है।

सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए आईएसए विचारों और सर्वोत्तम प्रद्धतियों के आदान–प्रदान का एक आदर्श मंच है। भारत के पास भी साझा करने के लिए बहुत कुछ है। मैं आपको हाल ही में किए नीतिगत उपाय का एक उदाहरण देता हूं। कुछ महीने पहले, हमने पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना शुरू की। हम इस योजना में 750 बिलियन रुपये का निवेश कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य 10 मिलियन परिवारों को अपनी छत पर सौर पैनल लगाने में मदद करना है। हम लोगों के बैंक खातों में सीधे वित्तीय सहायता अंतरित कर रहे हैं। अतिरिक्त वित्त की आवश्यकता होने पर कम ब्याज, संपार्श्विक मुक्त ऋण भी सक्षम किए जा रहे हैं। अब ये घर, अपनी ज़रूरतों के लिए स्वच्छ बिजली पैदा कर रहे हैं। इसके अलावा, वे ग्रिड को अतिरिक्त बिजली बेचकर पैसे भी कमा सकेंगे। प्रोत्साहन और संभावित आय के कारण ये योजना लोकप्रिय हो रही है। सौर ऊर्जा को एक किफायती और आकर्षक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। मुझे यकीन है कि कई देशों को इस ऊर्जा परिवर्तन को लेकर इसी तरह की मूल्यवान जानकारी मिली होगी।

ये ऊर्जा परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए दुनिया को सामूहिक रूप से कुछ महत्वपूर्ण मसलों पर चर्चा करनी चाहिए। हरित ऊर्जा निवेश के संकेंद्रण में असंतुलन को दूर किए जाने की आवश्यकता है। कम विकसित देशों और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों को सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हाशिए पर पड़े समुदायों, महिलाओं और युवाओं को साथ लेना महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है कि अंतर्राष्ट्रीय सौर महोत्सव ऐसे मामलों में चर्चा को सक्षम करेगा। भारत हरित भविष्य के लिए दुनिया के साथ काम करने को प्रतिबद्ध है। पिछले साल जी20 के दौरान हमने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के निर्माण का नेतृत्व किया। हम अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। समावेशी, स्वच्छ और हरित ग्रह बनाने के हर प्रयास को भारत का समर्थन प्राप्त होगा।

विकसित भारत के स्वप्न दृष्टा 'मोदी'

जन्मदिन विशेष

कर्मठ, समर्पित और दृढ़–निश्चयी श्री नरेन्द्र मोदी 100 करोड़ भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं के लिए आशा की एक किरण बन कर आए हैं। विकास पर उनकी पैनी नज़र और परिणाम हासिल करने की उनकी प्रामाणिक क्षमता ने उन्हें भारत के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बनाया है। उनका एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का संकल्प है जो मज़बूत, खुशहाल और समावेशी हो और जहां प्रत्येक भारतीय अपनी आशाओं और आकांक्षाओं को फलीभूत होते हुए देख सकता हो।

नरेन्द्र मोदी ने चौथी बार पश्चिमी राज्य गुजरात के मुख्य मंत्री के रूप में भारत और विश्वभर में अपनी छाप छोड़ी है। इस राज्य में वे जनहितैषी सुशासन द्वारा लोगों के जीवन में भारी बदलाव लाए, जहां सरकार ने सादगी और ईमानदारी से लोगों की सेवा की। उन्होंने विनाशकारी भूकंप के दुष्परिणामों से जूझ रहे गुजरात की कायापलट की और उसे विकास में अग्रणी बनाया जिसने भारत के सर्वांगीण विकास में मजबूत योगदान दिया।

हमेशा आगे आकर नेतृत्व संभालने वाले और गुजरात के चहुंमुखी विकास के लिए काम करने वाले श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यभर में बड़ा बुनियादी ढांचा तैयार किया। उन्होंने सरकार के नौकरशाही तंत्र को नया स्वरूप प्रदान किया और उसे आसान बनाया ताकि वह कुशलतापूर्वक, ईमानदारी से और मानवीय भावना से काम कर सके। उनके नेतृत्व में गुजरात सरकार ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं से 300 से अधिक पुरस्कार प्राप्त किए ।

नरेन्द्र मोदी ने यह सब अपनी मेहनत और मूल्यों के बल पर हासिल किया जो उनमें बचपन से ही कूट–कूटकर भरे थे। नरेन्द्र मोदी का जन्म 17 सितम्बर, 1950 में गुजरात के एक छोटे कस्बे में हुआ था। वे स्नेहिल परंतु ऐसे गरीब परिवार में पले–बढ़े जो एक रुपए भी नहीं बचा पाता था। जीवन की आरंभिक कठिनाइयों ने उन्हें न सिर्फ कठोर परिश्रम के मूल्य की समझ दी बल्कि इसके साथ ही आम लोगों की पीड़ा समझने का मौका भी दिया। यही कारण है कि मुख्य मंत्री के रूप में उन्होंने अंत्योदय अर्थात् अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की सेवा करने के सिद्धांत का अनुकरण करते हुए जीवन जिया है । उन्होंने छोटी उम्र से ही देशभक्त संस्थाओं के साथ काम कर अपने आपको देश सेवा में समर्पित कर दिया ।

वे एक ऐसे 'जन नेता' हैं, जो लोगों के कल्याण के लिए समर्पित हैं। नरेन्द्र मोदी के लिए इससे सुखद और कुछ नहीं कि वे आम लोगों के बीच रहें, उनकी खुशहाली देखें और उनके दुखों को दूर करें। उनकी मज़बूत ऑनलाइन उपस्थिति, जहां वे भारत के एक ऐसे सर्वाधिक प्रौद्योगिकी मूलक सोच रखने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं जो प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल लोगों से जुड़ने और उनके जीवन में बदलाव लाने के लिए करते हैं, ने उनके व्यक्तिगत संपर्क को और मजबूती दी है। वे फेसबुक, ट्वीटर, गूगल+ और अन्य मंचों सहित सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं।

राजनीति के अलावा, श्री नरेन्द्र मोदी की रुचि लेखन में है। उन्होंने विभिन्न विषयों पर कई किताबें लिखी हैं और वे कविताएं भी लिखते हैं। उनके दिन की शुरुआत हमेशा योग से होती है, जो अति सक्रिय दिनचर्या में उन्हें शांति प्रदान करता है।

श्री नरेन्द्र मोदी एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनमें साहस, संवेदनशीलता और दृढ़ निश्चय कूट–कूटकर भरे हैं और जिन्हें देश ने इस उम्मीद के साथ जनादेश दिया है कि वे भारत में नई ऊर्जा का संचार करेंगे और उसे विश्व का पथप्रदर्शक बनाएंगे।

भारत का वैश्विक आर्थिक विकास में योगदान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सिंगापुर के निवेश कोष, इंफ्रास्ट्रक्चर, विनिर्माण, ऊर्जा, स्थिरता और रसद सहित विविध क्षेत्रों के प्रमुख सीईओ के एक समूह के साथ बातचीत की। इस कार्यक्रम में सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री श्री गण किम योंग और गृह एवं कानून मंत्री श्री के. शानमुगम ने भाग लिया।

भारत में उनके बढ़ते हुए निवेश की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने में सिंगापुर के उद्योग जगत के दिग्गजों द्वारा निभाई गई भूमिका को महत्व दिया। प्रधानमंत्री ने भारत के साथ उनके सहयोग को और सुविधाजनक बनाने के लिए, सिंगापुर में एक इन्वेस्ट इंडिया कार्यालय की स्थापना की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत–सिंगापुर संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदलने से द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को एक बड़ी ताकत मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले दस वर्षों में परिवर्तनकारी प्रगति की है और राजनीतिक स्थिरता, नीति संबंधी पूर्वानुमान, कारोबारी सुगमता और इसके सुधार उन्मुख आर्थिक एजेंडे की अपनी ताकत को देखते हुए यह उसी रास्ते पर आगे बढ़ता रहेगा। अगले कुछ वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।

भारत के विकास की प्रभावशाली गाथा, इसके कुशल प्रतिभा पूल और विस्तृत बाजार से जुड़े अनेक अवसरों के बारे में चर्चा करते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत वैश्विक आर्थिक विकास में 17 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, भारत सेमीकंडक्टर मिशन और 12 नए औद्योगिक स्मार्ट शहरों की स्थापना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न पहलों के बारे में बात की। उन्होंने व्यवसाय जगत के अग्रजों से कौशल विकास के क्षेत्र में भारत में अवसरों को परखने का आह्वान किया। लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं की तलाश करने वाले व्यवसायों के लिए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की अपनी ताकत को ध्यान में रखते हुए यह सबसे अच्छा विकल्प है। प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि भारत अपने तीसरे कार्यकाल में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की गति और व्यापकता को बढ़ाएगा। इसके अलावा, सीईओ को रेलवे, सड़क, बंदरगाह, नागरिक उड्डयन, औद्योगिक पार्क और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नए अवसरों से अवगत कराया गया।प्रधानमंत्री ने सिंगापुर के व्यवसाय जगत के दिग्गजों को भारत में निवेश के अवसरों को देखने और देश में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया। व्यवसाय गोलमेज में निम्नलिखित व्यवसाय जगत के दिग्गजों ने भाग लिया।

आदर्श राजव्यवस्था

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय प्रशासनिक सेवा ने बड़ा लम्बा सफर तय किया है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक प्रशासन का मुख्य लक्ष्य लोकहित ही रहा है। उनकी योग्यता और प्रतिभा बेजोड़ रही है। लेकिन तमाम ज्ञान गरिमा से युक्त होने के बावजूद वे भारतीय जनमानस के आत्मीय हित साधक नहीं बन सकते। प्रशासन और भारतीय जनता के मध्य दूरी है। प्रशासन एक तरह से स्थाई कार्यपालिका है। इसके कामकाज में आमजनों के साथ सम्पर्कों में संवेदनशीलता का अभाव देखा गया है। संविधान सभा में अनेक सदस्यों ने अंग्रेजीराज के सिविल ढांचे को समाप्त करने की मांग की थी। सरदार पटेल ने कहा था कि, ''हमने इनके साथ कठिन समय में काम किया है। मेरे ख्याल से इन्हें बनाए रखना जरूरी है।'' पटेल ने स्वतंत्र भारत के सिविल अधिकारियों की पहली खेप को 21 अप्रैल को 1947 में सम्बोधित किया था। यह एक महत्वपूर्ण क्षण था। इसीलिए इस तिथि को सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। तब से 77 वर्ष बीत गए।

संवेदनशील प्रशासन राष्ट्रीय अपरिहार्यता है। उत्कृष्ट प्रशासन प्राचीन काल से ही किसी न किसी रूप में समाज के लिए जरूरी रहा है। भारत का वर्तमान प्रशासन प्राचीन काल की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का विकास है। इसका प्राचीनतम स्वरूप ऋग्वैदिक काल में भी मिलता है। ऋग्वेद के समाज की सबसे छोटी इकाई कुटुम्ब या परिवार थी। परिवार का सबसे वरिष्ठ कुटुम्ब का प्रधान संचालक होता था। घर के मुखिया की बात सब लोग मानते थे। अनेक परिवारों से मिलकर बनने वाली राजनीतिक इकाई 'ग्राम' थी। राजनीतिक दृष्टि से ग्राम का प्रमुख ग्रामणी कहलाता था। वह स्वयं ग्राम का प्रशासनिक अधिकारी भी था। अनेक ग्रामों से बनी बड़ी इकाई विश कहलाती थी। विश के प्रशासनिक अधिकारी को विशपति कहते थे। विश से बड़ी इकाई जन होती थी। जन के संचालक प्रशासनिक अधिकारी को गोप कहा जाता था। गोप प्रायः राजा ही होते थे। ऋग्वैदिक समाज में गणतंत्र भी थे। राजा निरंकुश नहीं था। राजा राज्याभिषेक के समय प्रजा के हित में काम करने की शपथ लेता था। राजा को जवाबदेह बनाने वाली दो लोकतांत्रिक संस्थाएं भी थीं। इन्हें सभा और समिति कहा गया। लुडविग ने लिखा है कि, ''समिति जनसाधारण की संस्था थी। सभा वरिष्ठों की संस्था थी।'' उस समय के नियम सबको मान्य थे।

नियम या विधि को ऋग्वेद में 'धर्म' कहा गया है। ग्रिफ्थ ने धर्म का अनुवाद लॉ या लॉज किया है। ग्राम में न्याय करने के लिए ग्रामवादिन नाम की न्यायायिक संस्था भी थी। वैदिक काल के बाद सिन्धु घाटी की सभ्यता का समय (2250 ईसापूर्व से 1750 ईसापूर्व तक) आता है। व्हीलर और पिगट के अनुसार मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के राज्य ठीक से संचालित थे। सिन्धु सभ्यता में सड़कें सुनियोजित थी। जल निकासी की व्यवस्था थी। अनुमान किया जाता है यहां नागरिक संस्थाएं थीं। पिगट के अनुसार व्यवस्थित निर्माण कार्य से अनुमान लगता है कि यहां नगर पालिकाएं जैसी संस्थाएं भी रही होंगी। सम्पूर्ण सिन्धु क्षेत्र में प्रशासन व्यवस्थित था। उत्तर वैदिक काल में शक्तिशाली राजाओं का उदय दिखाई पड़ता है। उत्तर वैदिक काल में प्रशासनिक काम करने वालों की संख्या बड़ी है। महाभारत में बड़े राज्यों का उल्लेख है।

नियम या विधि को ऋग्वेद में 'धर्म' कहा गया है। ग्रिफ्थ ने धर्म का अनुवाद लॉ या लॉज किया है।

चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में भारत ने पहली बार राजनैतिक एकता हासिल की। यह विशाल साम्राज्य था। चन्द्रगुप्त मौर्य स्वयं में योग्य प्रशासक थे। कौटिल्य का अर्थशास्त्र, मैगस्थनीज की इंडिका, अशोक के शिलालेख व यूनानी साहित्य में मौर्य शासन व्यवस्था की तमाम जानकारी हैं। भारतीय प्रशासन के विकास में मौर्य शासन के अनेक तत्व हैं। भारत परम्परा प्रिय देश है। यहां के समाज में कालवाह्य को छोड़ने और कालसंगत को जोड़ने की क्षमता रही है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक लोक प्रशासन को जनोनमुखी बनाने के प्रयास चलते रहे हैं। आदर्श राजव्यवस्था के संवेदनशील प्रशासन के विवरण कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मिलते हैं और महाभारत में

भी। कौटिल्य संवेदनशील प्रशासन के व्याख्याता हैं। वाल्मीकि की रामायण में श्रीराम की आदर्श राजव्यवस्था के उल्लेख हैं। वाल्मीकि द्वारा लिखी आदर्श राजव्यवस्था काल्पनिक नहीं है। तुलसीदास ने आज से 450 वर्ष पहले रामचरितमानस लिखी थी। रामचरितमानस में भी आदर्श राजव्यवस्था की खूबसूरत झांकी है।

राम राज्य कल्पना नहीं है। आदर्श राजव्यवस्था के सूत्र ऋग्वेद से लेकर आधुनिक काल तक एक जैसे हैं। अंग्रेजी सत्ता के समय भारत को साम्राज्यवाद का शोषण क्षेत्र बनाने की कोशिशें की गईं। अंग्रेजी सत्ता का उद्देश्य भारत की जनता को सुन्दर प्रशासन देना नहीं था। वे यहां से कच्चा माल इंग्लैंड ले जाते थे। उसके उपयोग से अंग्रेजी ब्रांड की वस्तुएं बनाते थे। यहाँ से कपास इंग्लैंड जाता था। वहां से 'मेड इन इंग्लैंड' के कपड़े बनकर आते थे। भारतीय व्यापारी और किसान कर्ज में डूब गए थे। अंग्रेजों का प्रशासन संवेदनहीन था। ईसाई मिशनरी अंग्रेजी सत्ता के दुरुपयोग से धर्मांतरण कराते थे। लेकिन भारतीय संस्कृति और दर्शन का डंका चारों ओर पिट रहा था। भारतीय प्रशासन के लिए इंग्लैंड से सिविल अधिकारी आते थे।

मैक्समूलर भारतीय दर्शन और संस्कृति के व्याख्याता थे। उन्होंने भारत आने वाले सिविल अधिकारियों को पढ़ाया था कि दुनिया का सर्वश्रेष्ठ मस्तिष्क भारतवासियों का है। संस्कृत दुनिया की आदर्श भाषा है। भारतीय दर्शन विज्ञान को ध्यान से समझ कर स्वयं का निजी जीवन और समाज को श्रेष्ठ बनाया जा सकता है। यह बातें भारत का कोई व्यक्ति नहीं कह रहा था। जर्मनी के विद्वान मैक्समूलर भारत जाने वाले सिविल अधिकारियों को भारत को समझने की प्रेरणा दे रहे थे। उनका सारा भाषण 'व्हाट इंडिया कैन टीच अस' के नाम से संकलित है। अंग्रेजी प्रशासकों को भारत समझना जरूरी था। मोटे तौर पर अंग्रेजी शासन और वैधानिक व्यवस्था की वास्तविक शुरुआत भारत शासन अधिनियम 1935 से होती है। संविधान निर्माताओं ने भारतीय प्रशासन के गठन में 1935 के अधिनियम की बातें लगभग यथावत रखी हैं।

राजनैतिक कार्यपालिका विधायी सदनों के प्रति जवाबदेह है। मंत्रीगणों को सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर तैयार कराने में प्रशासन की मुख्य भूमिका होती है। प्रश्नोत्तरों की तैयारी में हुई त्रुटि का खामियाजा सदन में मंत्री को भुगतना पड़ता है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य भी उत्साहवर्द्धक सम्बंध नहीं दिखाई पड़ते। बहुधा विधायकों और सांसदों से प्रशासनिक अधिकारियों के बीच अप्रिय कलह की खबरें आती रहती हैं। टेलीफोन न उठाने और जनप्रतिनिधियों के पत्रों के उत्तर न देने की शिकायतें पुरानी हैं। विधायी सदनों की समितियों में प्रशासनिक अधिकारियों को सम्बंधित विषय पर साक्ष्य के लिए आमंत्रित किया जाता है। अध्यक्ष विधानसभा के रूप में मेरा अनुभव रहा है कि समिति के भीतर जनप्रतिनिधियों द्वारा पूछे गए उत्तर अधिकारियों को नागवार लगते हैं। निर्वाचित सरकार के द्वारा बनाए गए कार्यक्रमों को पूरा करना सिविल अधिकारियों की जिम्मेदारी है। विकास कार्यों को ठीक से सम्पन्न कराना भी इन्हीं की जिम्मेदारी है। लेकिन तमाम राज्यों में भिन्न-भिन्न विभागों के लिए निर्धारित बजट का बड़ा भाग उपयोग में ही नहीं आता। आज के इस महत्वपूर्ण दिवस पर सिविल अधिकारियों की जिम्मेदारियों और उनकी कठिनाइयों पर बेबाक चर्चा होनी ही चाहिए।

राम काजु कीन्हे बिनु मोहीं कहाँ विश्राम : योगी

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के सदस्यता अभियान की विश्वेश्वरैया सभागार में लांचिंग के साथ ही उत्तर प्रदेश में सदस्यता अभियान का शुभारम्भ हुआ। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी के द्वारा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक ने सदस्यता का नवीनीकरण करके सदस्यता अभियान का शुभारम्भ किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी के द्वारा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा को 8800002024 पर मिस्डकॉल से प्राप्त सदस्यता प्रमाण पत्र की प्रति सौंपकर उत्तर प्रदेश में विधिवत सदस्यता अभियान का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री श्री गोविन्द नारायण शुक्ल ने किया।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान 2024 के तहत सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उनसे इस कार्यक्रम के साथ जुड़कर सबसे अधिक साधारण और सक्रिय सदस्य बनाने के टारगेट को पूरा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगों के मन में श्रद्धा और सम्मान का भाव है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक, भारत की माटी से प्यार करने वाला हर व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी से जुड़ना चाहता है। जब हम लोग उस तक पहुंचते नहीं हैं तो उसको पीड़ा होती है। तब वह उन संकीर्णताओं के दायरे में आता है, जो जाति के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर भारत के सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने और भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने के लिए फैलाई जाती हैं। इन स्थितियों में हमें हर उस व्यक्ति तक पहुंचना है जो हमारी प्रतीक्षा कर रहा है। हमारा लक्ष्य एक ही होना चाहिए कि "राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ बिश्राम..."।

संगठन पर्व

मुख्यमंत्री श्री योगी ने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भारत के अंदर केवल भारतीय जनता पार्टी ही है जो कैडर आधारित पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी भारत की माटी से जुड़कर, भारत के महापुरुषों से लेकर भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हुए राजनीतिक क्षेत्र में राष्ट्र सर्वोपरि के भाव के साथ कार्य करने वाली पार्टी है। इसलिए यह पार्टी न केवल वर्तमान में पूरे देश में अपना सर्वव्यापी स्वरूप बनाने में सफल हुई है, बल्कि सर्वस्पर्शी भी बनी है और समाज के हर एक तबके को अपने साथ जोड़ने में पार्टी ने अपनी इस यात्रा में सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने पद को इसलिए छोड़ दिया, क्योंकि तत्कालीन सरकार स्वयं ही देश की संप्रभुता के लिए खतरा बन रही थी। कश्मीर के मुद्दे को लेकर डॉ.श्यामा

प्रसाद मुखर्जी का बलिदान इसका उदाहरण है।
मुख्यमंत्री श्री योगी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का एक–एक कार्यकर्ता कह सकता है कि उसके लिए दल से बढ़कर देश है। उन्होंने कहा कि 1977 में जब लोकतंत्र का गला घोंटने का काम कांग्रेस ने किया था, तब भारतीय जनसंघ का विसर्जन करते हुए जनता पार्टी के रूप में देश के अंदर विपक्षी दलों का जो गठबंधन बना था, उसमें हमारे नेतृत्व ने देश के लोकतंत्र को सर्वोपरि मानते हुए इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया था। इसी तरह, भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी के नेतृत्व में इस सदी की सबसे बड़ी माहामारी कोरोना के दौरान 140 करोड़ भारतीयों में उज्जवला योजना का सिलेंडर जल रहा है, जिन लोगों को विद्युत का कनेक्शन मिल गया है, जिन लोगों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है, जिन साढ़े 6 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी मिली हमें उन सभी को इस अभियान से जोड़ना है। हम सब इस कार्यक्रम से जुड़ेंगे, ताकि देश की सबसे बड़ी आबादी के इस राज्य में सबसे अधिक साधारण और सक्रिय सदस्य बनाने के इस टारगेट को पूरा किया जा सके।
मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार द्वारा नौजवानों को रोजगार से जोड़ने के अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि अभी हमने 60 हजार 200 पुलिस जवानों की भर्ती की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। इस भर्ती प्रक्रिया

की रक्षा के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना 'सेवा ही संगठन है' के राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ करके दिखाया है।
मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि हमें हर उस व्यक्ति तक पहुंचना है जो हमारी प्रतीक्षा कर रहे हैं। जिसे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है, अगर हम उसके घर जाएंगे,उसके साथ सेल्फी लेंगे और उसी मोबाइल से उसको फिर से सदस्य बनाकर उस सेल्फी को वापस भेजेंगे तो उसको बहुत अच्छा लगेगा। इसी तरह, जिनको आयुष्मान भारत का कार्ड मिला है, प्रदेश के जिन 15 करोड़ लोगों को पिछले 4 वर्ष से फ्री में राशन की सुविधा का लाभ प्राप्त हो रहा है, जिन लोगों के घर के तत्काल बाद 40 हजार नई भर्ती लेकर आने वाले हैं। यही नहीं सरकार अगले दो वर्ष में दो लाख सरकारी नौकरी लेकर आ रही है। एक करोड़ निजी क्षेत्र में नौकरी लाने जा रहे हैं, जबकि लगभग साठ लाख नौजवानों और उद्यमियों को नए स्टार्टअप स्थापित करने और उन्हें आंत्रप्रेन्योर बनाने की दिशा में भी सरकार कार्य करने जा रही है। उन्होंने कहा कि लोककल्याणकारी कार्यक्रम हो, सरकारी या निजी क्षेत्र में नौकरी की संभावना हो, सुरक्षा से जुड़े हुए मुद्दे हों या फिर इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास के कार्यक्रमों को घर घर तक पहुंचाने का कार्य हो, अगर आप भी उन लोगों तक भारतीय जनता पार्टी की पहुंच को आसान कर लेंगे तो दुष्प्रचार करने वालों के कारण जो उनके मन में जो संकोच है उसे समाप्त

किया जा सकता है। हमें उन्हें अपने साथ जोड़ना है, एक आत्मीयता देनी है और यह सदस्यता अभियान आपके लिए एक सुअवसर होगा। इस कार्यक्रम के साथ जुड़ेंगे तो भारतीय जनता पार्टी न केवल दुनिया के अंदर, बल्कि उत्तर प्रदेश देश के अंदर सबसे बड़े सदस्यता अभियान के साथ अग्रणी भूमिका के साथ फिर से खुद को स्थापित करेगा।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राजनैतिक अभियान, सामाजिक अभियान व सेवा कार्यों के साथ ही संगठनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से सदैव जनता के बीच है और भाजपा के कार्यकर्ता अनवरत जनता के बीच संवाद व सम्पर्क स्थापित किए हुए है। भाजपा लगातार राजनैतिक व संगठनात्मक रूप से मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। कार्यकर्ताओं ने अपने परिश्रम से भाजपा को सर्वव्यापी व सर्वस्पर्शी बनाया है। आज कश्मीर से कन्याकुमारी तक भाजपा का मजबूत संगठन है।

श्री चौधरी ने कहा कि अंग्रेजों तथा उनसे पूर्ववर्ती शासकों के ऐजेंडे को आगे बढ़ाते हुए देश की आजादी के बाद कांग्रेस ने समाज को बांटने का काम किया। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों द्वारा भाषा, क्षेत्र, जाति के आधार पर देश को बांटा गया। ऐसी परिस्थिति में भी एक भारत–श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने परिश्रम के साथ काम किया। आज तमिलनाडु, केरल, आन्ध्रप्रदेश, तेलगांना, उड़ीसा, जम्मूकश्मीर, असम, अरूणाचल, मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, नागालैण्ड सहित पूरे देश में भाजपा मजबूत हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार 2014, 2019 तथा 2024 में केन्द्र सरकार बनी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व प्रदेश भाजपा सरकार ने अपने एक–एक संकल्प को पूरा करने का काम किया। आज उत्तर प्रदेश बदलता हुआ उत्तर प्रदेश है और देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश है। भारतीय जनता पार्टी आंतरिक लोकतंत्र वाला एकमात्र दल है। हम सदस्यता अभियान के माध्यम से घर–घर जाकर लोगों को भाजपा से जोड़गें और संगठन की संरचना को तैयार करेंगे। हम प्रत्येक बूथ पर न्यूनतम 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य लेकर सदस्यता अभियान में हर घर तक पहुंचेंगे। इसके साथ ही व्यक्तिगत सदस्यता, मोर्चों, प्रकोष्ठों, विभागों की सदस्यता के द्वारा विभिन्न वर्गों को भाजपा परिवार के साथ जोड़ने का काम करेंगे। बड़ी संख्या में जनमानस को भाजपा के साथ जोड़कर सशक्त भाजपा से विकसित भारत निर्माण का संकल्प पूरा करेंगे।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सदस्यता अभियान संगठन को गढ़ने तथा संगठन को मजबूत बनाने का महापर्व है। सदस्यता अभियान के माध्यम से संगठन को हर घर तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर हम सभी को काम करना है। भाजपा देश ही नही बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है। उन्होंने कहा कि हमारा सदस्यता अभियान सर्वस्पर्शी व सर्वव्यापी होना चाहिए। देश व प्रदेश की युवाशक्ति, मातृशक्ति, अन्नदाता किसान तथा गरीब मजबूती के साथ भाजपा के साथ जुड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व की डबल इंजन की सरकार लगातार गरीब कल्याण के लिए समर्पित होकर काम कर रही है। प्रदेश में 60 लाख से अधिक गरीबों को आवास मिला है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी 01 करोड़ लखपति दीदीयां है। बड़ी संख्या में योजनाओं के लाभार्थी है। यह सभी भाजपा के साथ जुड़ना चाहते है। क्योंकि भाजपा सरकार में सुशासन है, विकास है और सभी को सुरक्षा है। सपा, बसपा व कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नही है। यह सभी विपक्षी दल केवल दुष्प्रचार का सहारा लेकर काम कर रहे है। इस दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की फौज तैयार होनी चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज मंगलवार हनुमान जी का दिन है और आप सभी हनुमान भक्त है, आप सभी हनुमान जी कृपा से सामर्थ्यवान है, शक्तिशाली है। सदस्यता अभियान में उसी शक्ति के साथ जुटकर संगठन द्वारा तय लक्ष्य से आगे निकलकर नया कीर्तिमान स्थापित करें। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। भाजपा एकमात्र राजनैतिक दल है, जो सभी वर्गो के बीच पहुंचकर सभी को भाजपा से जोड़ते हुए विचार परिवार बनाने का काम करता है। भाजपा की गौरवशाली परम्परा है। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में दो निशान–दो प्रधान के विरोध में प्राणों का बलिदान कर दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने गरीब, वंचित वर्ग के जीवन में खुशहाली लाने के लिए अंत्योदय सिद्धान्त को आगे बढ़ाने का काम किया। श्रद्धेय अटल जी ने विश्व में भारत का परचम फहराने का काम किया। श्री पाठक ने कहा कि सपा–बसपा और कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों को सिर्फ परिवार के लोग ही चला रहे है। जबकि भाजपा का कोई भी कार्यकर्ता प्रदेश तथा देश में पार्टी का नेतृत्व कर सकता है और किसी भी पद तक पहुंच सकता है। यह भाजपा की विशेषता है। भाजपा आम जनता को साथ लेकर, कंधे से कंधा मिलाकर सर्व समाज को जोड़कर कश्मीर से कन्याकुमारी तक सबको साथ लेकर चलती है। उन्होंने कहा कि यह संगठन पर्व है, हम पूरे उत्साह के साथ जनमानस के बीच पहुंचेगें और संगठन द्वारा तय लक्ष्य से अधिक संख्या में सदस्य बनाकर लोगों को भाजपा परिवार के साथ जोड़ेगे।

"अन्त्योदय" में सभी की भागीदारी की प्रतिबद्धता : लाल सिंह आर्य

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा सदस्यता अभियान की प्रदेश कार्यशाला भागीदारी भवन, लखनऊ में संपन्न हुई। कार्यशाला को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य, मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री रामचन्द्र कन्नौजिया ने सम्बोधित किया। कार्यशाला में प्रदेश सरकार के मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य, श्री असीम अरूण, श्रीमती गुलाब देवी, श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम, श्री दिनेश खटीक, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री देवेश कोरी, प्रदेश महामंत्री श्रीमती प्रियंका रावत, प्रदेश मत्री श्री डीपी भारती, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री कौशल किशोर, प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री श्री रमापति शास्त्री, पूर्व सांसद श्री विनोद सोनकर उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व की भाजपा सरकारों की प्रत्येक योजना गरीब, वंचित व अनुसूचित वर्ग की सामाजिक व आर्थिक उन्नति के लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बाबा साहेब डा. भीम राव अम्बेडकर से जुड़े पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कर बाबा साहेब को सच्चे अर्थों में श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के तहत अनुसूचित जाति वर्ग के प्रत्येक घर तक पहुंचना है और उनको सदस्य के रूप में भाजपा के साथ जोड़ना है। सदस्यता अभियान में जनसंपर्क के माध्यम से केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा किये गए अनुसूचित वर्ग के सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण को भी अनुसूचित जाति वर्ग के बीच पहुंचाना है और विपक्ष द्वारा फैलाए गए प्रत्येक झूठ व भ्रम को उजागर करने का भी काम करना है।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान को पूर्व योजना–पूर्ण योजना पर कार्य करते हुए सर्वस्पर्शी व सर्वव्यापी सदस्यता करना है। उन्होंने कहा कि मिस्डकॉल, क्यूआर कोड, डिजिटल तथा सीधे संपर्क से सदस्य बनाने समेत चार प्रकार से भाजपा के सदस्य बन सकते है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति मोर्चा को प्रदेश में 10 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व नेता अनुसूचित जाति वर्ग के बीच पहुंचकर उन्हें भाजपा से जोड़ने का काम करेगें। हम केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ अनुसूचित जाति वर्ग के बीच में पहुंचेगें और सघन व व्यापक सदस्यता करने का काम करेगें।

अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने कहा कि अनुसूचित जाति मोर्चा ने पहले भी बस्ती संपर्क के माध्यम से घर–घर संपर्क करने का काम किया है। अब और भी प्रभावी रूप से प्रत्येक बस्ती व प्रत्येक घर तक सदस्यता अभियान के माध्यम से पहुंचकर बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति वर्ग से सदस्य के रूप में भाजपा से जोड़ने का काम करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक मात्र राजनैतिक दल है जो अंत्योदय की नीति पर चलते हुए सही अर्थो में अनुसूचित जाति वर्ग की सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक उन्नति तथा राजनैतिक भागीदारी के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का अनुसूचित जाति मोर्चा बौद्ध मठों, बौद्ध बिहारों, रविदास व बाल्मीकि मंदिरों सहित सभी धार्मिक, सामाजिक केन्द्रो पर भी सदस्यता अभियान के माध्यम से पहुंचेगा।

अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री रामचन्द्र कन्नौजिया ने कहा कि समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस ने अनुसूचित जाति वर्ग को सदैव ठगने तथा अपमानित करने का काम किया। समाजवादी पार्टी की सरकार में अनुसूचित जाति वर्ग के साथ सबसे अधिक उत्पीड़न हुआ। सपा सरकार में अनुसूचित जाति वर्ग के खेत, खलिहान तथा मकानों पर कब्जे किये गए, मां, बहन, बेटी असुरक्षित थी। भाजपा की सरकार में आज कोई भी अनुसूचित जाति वर्ग सहित किसी भी वर्ग को प्रताड़ित करने, संपत्तियों पर कब्जे करने तथा बहन–बेटियों को बुरी नजर से देखने की हिम्मत नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व की भाजपा सरकारों में सुरक्षा की गारंटी है। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा अनुसूचित मोर्चा को जो 10 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। मोर्चा उससे अधिक सदस्य बनाएगा और बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति वर्ग को भाजपा की विचारधारा तथा भाजपा परिवार से जोड़ने का काम करेगा।

सदस्यता के साथ अपनी सरकारों की नीतियों को जनता तक पहुंचायें : भूपेन्द्र

भारतीय जनता पार्टी विभाग एवं प्रकोष्ठों की सदस्यता अभियान प्रदेश कार्यशाला भाजपा प्रदेश मुख्यालय में संपन्न हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है। भाजपा के कार्यकर्ता लगातार विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों व अभियानों के माध्यम से जनता के बीच रहते है। सदस्यता अभियान के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क करते हुए जनमानस को भाजपा परिवार से जोड़ने का काम करना है। उन्होंने कहा कि 2014 में सदस्यता अभियान से भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल बना और यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के परिश्रम से संभव हुआ। हम फिर एक बार सदस्यता अभियान के माध्यम से हर व्यक्ति व हर वर्ग तक पहुंचकर लोगों को भाजपा से जोड़ने का काम करेगें। कार्यशाला में प्रदेश उपाध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सिंह, प्रदेश महामंत्री श्री गोविन्द नारायण शुक्ल, श्री संजय राय, प्रदेश मंत्री श्री शिवभूषण सिंह उपस्थित रहे। संचालन विभाग एवं प्रकोष्ठों के प्रदेश प्रभारी श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि सदस्यता अभियान को सर्वस्पर्शी, सर्वग्राही एवं सर्व समावेशी बनाने के लिए केन्द्र के साथ ही प्रदेश, जिला व मंडल स्तर पर आयोजित कार्यशालाओं में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कल 31 अगस्त को प्रदेश के सभी बूथों पर बैठकें आयोजित कर सदस्यता अभियान की योजना व रचना को बूथ समितियों के साथ ही बूथ पर रहने वाले पार्टी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच साझा किया जाएगा। श्री चौधरी ने कहा कि प्रत्येक विभाग व प्रकोष्ठ को सम्बंधित वर्ग के बीच पहुंचकर उनको भाजपा सदस्य के रूप में जोड़ने का काम करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षक, व्यापारी, चिकित्सक, अधिवक्ता, साहित्यकार, चित्रकार, सीए, कलाकार, खिलाड़ी, पूर्व सैनिक सहित समाज के विभिन्न वर्गों तक सदस्यता अभियान के माध्यम से पहुंचने का काम करना है। प्रत्येक पदाधिकारी को व्यक्तिगत सदस्यता के साथ ही अपने निवास के बूथ की सदस्यता में भी सहभागिता करना है। इसके साथ ही कैंप लगाकर तथा सामूहिक रूप से घर–घर जाकर अपने–अपने विभाग एवं प्रकोष्ठ की सदस्यता के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में सभी को बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा का संकल्प लिया और उसे पूरा किया। इसके साथ ही जम्मू कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण के संकल्प सहित भाजपा ने संकल्प पत्र में घोषित प्रत्येक संकल्प को पूरा किया। उत्तर प्रदेश कभी बीमारू राज्य था आज उत्तर प्रदेश देश में दूसरे नम्बर की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भाजपा की सरकार में देश व प्रदेश की तस्वीर बदली है। भाजपा की सरकारों ने जनापेक्षाओं को पूरा करने का काम किया है। हम सशक्त भाजपा–विकसित भारत के संकल्प के साथ सदस्यता अभियान में केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं व नीतियों को भी लेकर जनता के बीच पहुंचेगे और विपक्ष द्वारा फैलाये गई नकारात्मकता, झूठ, भ्रम व देश व समाज को तोड़ने की राजनीति को बेनकाब करने का काम करेंगे।

सपा का असली चेहरा परिवारवादी, दबंग, अपराधी है : डॉ० सुधांशु

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कोलकाता में नृशंस, वीभत्स, सामूहिक दुष्कर्म की घटना से चिकित्सक समुदाय सहित पूरे देश में भारी रोष व्याप्त है। जितनी दर्दनाक और दुखद यह घटना है उससे भी ज्यादा पीड़ादायक पश्चिम बंगाल सरकार और इंडी गठबंधन के नेताओं का आचरण है। कोलकाता में हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना को आत्महत्या बताने का प्रयास किया गया। केस को सीबीआई को नही दिया गया। जिस प्रधानाचार्य को हटाया गया उसे चन्द घंटो में ही दूसरे कॉलेज का प्रधानाचार्य नियुक्त कर दिया गया। इससे टीएमसी सरकार की मंशा साफ दिखाई देती है।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद प्रदर्शन की आड़ में आसामाजिक तत्वों के द्वारा तोड़–फोड़ और चिकित्सकों के साथ मारपीट तथ्यों और साक्ष्यों को मिटाने का षडयंत्र हो सकता है। यह घटना सिर्फ एक घटना नही है, एक मानसिकता है और यह मानसिकता पश्चिम बंगाल में बहुत पहले से चल रही है। 2012 में संतारगाछी की घटना, 2013 में कमदुनी सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की घटना, 2014 में बीरभूमि में सामूहिक दुष्कर्म की घटना, 2015 में कंधमाल में सामूहिक दुष्कर्म की घटना, 2015 में पार्क स्ट्रीट में सामूहिक दुष्कर्म की घटना, 2020 में भाजपा समर्थक आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म तथा 2021 में पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद टीएमसी सरकार द्वारा सुनियोजित हिंसा को पूरे देश ने देखा है। 2022 में हंसखाली और इसी वर्ष संदेशखाली में आदिवासी महिलाओं के गंभीर आरोप हैं। हावड़ा की घटना, एक महिला को कोड़े से पीटे जाने की घटना और उसके बाद वहां के विधायक हमीदुर्रहमान ने महिला को ही चरित्रहीन बता दिया। मजहबी कानून की दुहाई देकर कुकृत्य को सही ठहराने की कोशिश की गई। इस मानसिकता ने अपराधियों के हौसले बुलंद कर दिये। जिस मानसिकता से बुलंद हौसलों ने कोलकता की दुःखद घटना के बाद तोड़–फोड़ करके साक्ष्यों को नष्ट करने का षडयंत्र रचा।

राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी द्वारा पोषित मानसिकता उत्तर प्रदेश में सपा तथा इंडी गठबंधन के द्वारा भी दिख रही है। अयोध्या में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद पीड़ित को धमकाकर साक्ष्यों को झुठलाने व मिटाने का प्रयास किया गया और यही मानसिकता कन्नौज में देखने को मिल रही है। इस घटना पर सपा की नेत्री का बयान कि 15 साल की बच्ची शाम को कौनसी नौकरी पाने के लिए वहां गई थी। यह बयान शर्मनाक भी है और आपत्तिजनक भी है। सपा के लोगों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की पुष्टि के बाद जैसा आचरण पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का है वैसा ही आचरण उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का है। कन्नौज से लेकर कोलकाता तक महिलाओं के प्रति घृणा और विद्वेष के साथ अपराधियों को संरक्षण देने की खतरनाक मानसिकता दिखाई दे रही है।

श्री त्रिवेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश से ही श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा ने लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा दिया था। आज उत्तर प्रदेश की धरती से ही श्रीमती प्रियंका गांधी से पूंछना चाहता हूं कि अयोध्या, कन्नौज से लेकर कोलकाता तक लड़कियों के साथ जो हो रहा है, इन घटनाओं पर उनके मुंह में दही क्यों जमा हुआ है। इसके साथ ही सोनिया गांधी जी तथा राहुल गांधी जी से भी पूंछना चाहता हूं कि उनकी मुहब्बत की दुकान में क्या सिर्फ अपराधी, भ्रष्टाचारी और बलात्कारी सामान ही उपलब्ध है। बंगाल में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी को तानाशाह बताते हुए कहा है कि बंगाल में लोकतंत्र नही है और ममता बनर्जी अपराधियों का संरक्षण कर रही हैं। ऐसे में राहुल गांधी जी को बताना चाहिए कि वह कैसे और क्यों तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक शर्मनाक बयान दिया गया था कि लड़को से गलती हो जाती है और जबसे इन दो लड़कों की ताकत थोड़ी बड़ी है तबसे अपराधी तत्वों की हिम्मत और हिमाकत भी बहुत तेजी से बढ़ रही है।

श्री सुधांशु त्रिवेदी ने अखिलेश यादव से प्रश्न करते हुए कहा कि जब सपा के नेता सीधे तौर पर दुष्कर्मो में संलिप्त है तब भी कोई प्रभावी कार्यवाही ना करते हुए कवर फायर देने का प्रयास क्यों किया जा रहा है। अखिलेश यादव के पीडीए का असली चेहरा परिवारवादी, दबंग तथा अपराधी है तथा यही मूल अर्थ भी है। दबंगई तथा अपराधिकरण से परिवारवाद की सत्ता प्राप्त करना ही अखिलेश यादव का उदद्श्य है। इंडी गठबंधन वाले अपराधियों को संरक्षण देने की दुर्दांत मानसिकता के प्रतीक है जो संवैधानिक व्यवस्था के साथ समाज को भी खतरे में डालती है।

भाजपा का सदस्यता अभियान

डा. बिपिन पाण्डेय

भारतीय जनता पार्टी ने अपना देशव्यापी सदस्यता अभियान सुरू किया, इसे संगठन पर्व 2024 नाम दिया गया है, सदस्यता किसी भी राजनीतिक दल का प्राण हुआ करती है। यह सदस्यता अभियान 2 सितम्बर 2024 को सायं 5 बजे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जे पी नड्डा द्वारा श्री नरेंद्र मोदी को डिजिटल माध्यम से 8800002024 नंबर पर मिस्डकाल करके आरम्भ किया गया, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सदस्यता अभियान पार्टी के विस्तार और जनसमर्थन को बढ़ाने के लिए एक प्रमुख पहल है। यह अभियान पार्टी की जड़ों को मजबूत करने, नए समर्थकों को जोड़ने, और पार्टी की विचारधारा को व्यापक स्तर पर फैलाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। भारत को परम वैभव प्रदान की ओर ले जाना है इसीलिए भाजपा २०२४ के सदस्यता अभियान का ध्येय वाक्य है –सशक्त भाजपा , विकसित भारत । भाजपा ने सदस्यता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी उपयोग किया है, जिससे लोग ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। यह प्रक्रिया सरल और सुलभ है, जिसमें एक मिस्ड कॉल देकर या ऑनलाइन फॉर्म भरकर सदस्य बना जा सकता है। 2014 के बाद, जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने केंद्र में सरकार बनाई, पार्टी ने सदस्यता अभियान को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया। 2015 में, भाजपा ने अपने "सबसे बड़े सदस्यता अभियान" का आयोजन किया, जिसमें पार्टी ने 10 करोड़ से अधिक सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य रखा था। राजनीति में शुरुआत सदस्य बनने से होती है, क्रमशः सदस्य से प्रतिबद्ध कार्यकर्ता बनते हैं और कार्यकर्ता से समर्पित नेता बनते हैं।समर्पित नेता किसी भी राजनीतिक दल की पूँजी हुआ करता है ।

भाजपा ने 2014, 2020 और 2022 में भी सदस्यता अभियान चलाया, जिसमें पार्टी ने नए सदस्यों को जोड़ने और पुराने सदस्यों को पुनः सक्रिय करने पर ध्यान केंद्रित किया। यह अभियान विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, और अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों को पार्टी से जोड़ने के उद्देश्य से चलाया गया था। भाजपा के सदस्यता अभियान में विशेष रूप से गांवों, कस्बों और दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंचने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर लोगों से मिलते हैं और उन्हें पार्टी की विचारधारा के प्रति जागरूक करते हैं।

इस सदस्यता अभियान में नरेंद्र मोदी सरकार की 2019 से अभी तक कि मुख्य उपलब्धियाँ समाज के बताई जाएंगी। नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2014 से अब तक कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

किसान सुधार और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत छोटे और सीमांत किसानों को सीधे वित्तीय सहायता दी गई। किसानों के खातों में सालाना 6000 रुपये की राशि तीन किश्तों में दी जाती है। 2020 में सरकार ने कृषि कानून पारित किए, जिनका उद्देश्य कृषि सुधार और किसानों को अधिक स्वतंत्रता प्रदान करना था, हालांकि बाद में विरोध के कारण इन्हें वापस ले लिया गया। अगस्त 2019 में, जम्मू–कश्मीर से धारा 370 को हटाकर इसे विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया गया और इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित किया गया।

डिजिटल इंडिया अभियान का उद्देश्य देशभर में डिजिटल सेवाओं का विस्तार करना और ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना था। सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण भी इसका एक प्रमुख हिस्सा था। 2020 में श्रम कानूनों में सुधार किया गया, जिससे श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नियमों को सरल बनाया गया। भारत ने विदेश नीति में सक्रियता दिखाई और विभिन्न देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत किया। जैसे कि अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड गठबंधन का विस्तार।नमस्ते ट्रंप" और "हाउडी मोदी" जैसे कार्यक्रमों ने भारत–अमेरिका संबंधों को और मजबूत किया। हरित ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से मोदी सरकार ने सौर ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया, जिससे भारत विश्व के अग्रणी सौर ऊर्जा उत्पादकों में से एक बन गया।अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का गठन भी भारत की पहल थी। ये सभी उपलब्धियाँ मोदी सरकार की नीतियों और उनकी

कार्यशैली का हिस्सा रही हैं, जिसने भारत के विकास को विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ाया है। 5शताब्दी के संघर्ष के बाद सर्वोच्च न्यायालय के 5 सदस्यीय निर्णय के उपरान्त अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ और अयोध्या नगरी को त्रेता युग के वैभव प्रदान किया गया ।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता इस अभियान का नेतृत्व करते हैं, जो जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को भाजपा की विचारधारा और नीतियों से अवगत कराते हैं।भाजपा की संविधान की धारा 4 में पाँच निष्ठाएँ दी हुई हैं– राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय एकात्मकता, लोकतंत्र, शोषणमुक्त और समतामूलक गांधीवादी दृष्टिकोण,धर्मनिरपेक्षता और सर्वपन्थ सद्भाव, मूल्य आधारित राजनीति । भाजपा का सदस्यता अभियान पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पार्टी को न केवल चुनावी सफलता दिलाने में मदद करता है, अपितु पार्टी के विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व को भी तैयार करता है।

किसी भी राजनैतिक दल की शक्ति का आँकलन उसके सदस्यों की संख्या, संसदीय प्रतिनिधित्व, और जनता में समर्थन के आधार पर किया जाता है।

पूर्व के सदस्यता अभियानों के माध्यम से पार्टी ने करोड़ों नए सदस्यों को जोड़ा है। भाजपा की विचारधारा सांस्कृतिक राष्ट्रदर्शन,एकात्म मानववाद और अंत्योदय रही है और इसकी नीतियां केंद्र में प्रचलित भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने पर केंद्रित हैं। मार्क्सवादी लेनिनवादी माओवादी विचारधारा वाली चीन की कम्युनिस्ट पार्टी 98 मिलियन (9.8) करोड़ कार्यकर्ताओं के साथ यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। भाजपा अपने 2 संकल्पों पर कार्य कर रही है– 1–सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास 2– आत्मनिर्भर भारत । भारतीय जनता पार्टी का इतिहास संघर्ष, आंदोलन, और राजनीतिक रणनीति का मिला–जुला परिणाम है। जनसंघ से भाजपा तक का सफर पार्टी के नेतृत्वकर्ताओं की कुशलता और विचारधारा की ताकत का प्रतीक है। अटल बिहारी वाजपेयी से नरेंद्र मोदी तक, भाजपा ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है और आज यह पार्टी देश के राजनीतिक परिदृश्य पर प्रमुखता से बनी हुई है ।स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल क़िले से यह कहा था कि वह एक लाख ऐसे युवाओं को राजनीति में लाना चाहते हैं जिनके परिवार का कोई भी सदस्य राजनीति में न हो। भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टी विचार आधारित दल है शेष अधिकतर राजनीतिक दल परिवारवाद से पीड़ित है।

भाजपा अध्यक्षीय परम्परा का राजनीतिक दल है इसके राष्ट्रीय अध्यक्षों ने पार्टी के विकास और भारतीय राजनीति में इसके उदय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, अटल बिहारी वाजपेयी भाजपा के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष 1980–1986 तक थे। उन्होंने पार्टी के गठन के बाद इसके नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाली। उनके कार्यकाल के दौरान पार्टी का जनाधार बढ़ा और राम जन्मभूमि आंदोलन ने भाजपा को एक प्रमुख ताकत बनाया, राजनाथ सिंह 2005–2009, 2014–2014 के कार्यकाल में भाजपा ने खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने पार्टी को संगठित किया और इसे चुनावी सफलता दिलाने के लिए रणनीतियाँ बनाई। उनके नेतृत्व में पार्टी ने 2014 के आम चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की और श्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमन्तृत्व की सरकार बनी । अमित शाह 2014–2020 के अध्यक्षीय नेतृत्व में भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बनी और 2014 और 2019 के चुनाव में अभूतपूर्व चुनावी सफलता प्राप्त की। सारे देश में भाजपा ने अपनी भूमि क्रय करके सभी जिलों में भाजपा की अपनी भूमि पर हाईटेक कार्यालय बने ।जगत प्रकाश नड्डा 2020 में अध्यक्ष बने, उनके नेतृत्व में पार्टी ने कोविड–19 महामारी के दौरान जनसेवा और विभिन्न चुनावों में सफलता के लिए कार्य किया है।

भाजपा के संविधान की धारा 3 के अनुसार एकात्म मानववाद भाजपा का मूल दर्शन है। यह दर्शन मनुष्य के शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का एकात्म यानि समग्र विचार करना सिखाता है। इसका आधार गीता में मिलता है–

इन्द्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्यः परं मनः।
मनसस्तु परा बुद्धिर्यो बुद्धेः परतस्तु सः ॥

(गीता 3/ 42)

अर्थात इन्द्रियाँ स्थूल शरीर से श्रेष्ठ हैं और इन्द्रियों से उत्तम मन, मन से श्रेष्ठ बुद्धि और आत्मा बुद्धि से भी परे है। यह दर्शन मनुष्य और समाज के बीच कोई संघर्ष नहीं देखता, बल्कि मनुष्य के स्वाभाविक विकास–क्रम और उसकी चेतना के विस्तार से परिवार, गाँव, राज्य, देश और सृष्टि तक उसकी पूर्णता देखता है। यह दर्शन प्रकृति और मनुष्य में मां का संबंध देखता है, जिसमें प्रकृति को स्वस्थ बनाए रखते हुए अपनी आवश्यकता की चीज़ों का दोहन किया जाता है।

भाजपा का "संगठन पर्व" 2024 एक सफल अभियान होने की पूरी संभावना है। पार्टी के नेताओं, विशेष रूप से जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ने इस अभियान को केवल संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं बल्कि एक वैचारिक और भावनात्मक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया है। भाजपा के पास पहले से ही 18 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ एक विशाल नेटवर्क है, और नड्डा ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस अभियान में सदस्यता संख्या 10 करोड़ से अधिक हो जाएगी।

इस अभियान का उद्देश्य न केवल पार्टी का विस्तार करना है, बल्कि इसके वैचारिक आधार को और मजबूत करना भी है, जिसमें महिलाओं के लिए 33% आरक्षण को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। भाजपा के नेताओं का दृढ़ विश्वास और पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं की व्यापक भागीदारी को देखते हुए, "संगठन पर्व" 2024 के सफल होने की संभावना बहुत अधिक है ।

भारतीय संस्कृति में संस्कार

• सनातन धर्म के सोलह संस्कार

सनातन धर्म में सोलह संस्कारों (षोडश संस्कार) का उल्लेख किया जाता है, जो मानव को उसके गर्भाधान संस्कार से लेकर अन्त्येष्टि क्रिया तक किए जाते हैं।

- ✶ इनमें से विवाह, यज्ञोपवीत इत्यादि संस्कार बड़े धूमधाम से मनाये जाते हैं।
- ✶ वर्तमान समय में सनातन धर्म या हिन्दू धर्म के अनुयायी में गर्भाधन से मृत्यु तक 16 संस्कार होते हैं।
- ✶ प्राचीन काल में प्रत्येक कार्य संस्कार से आरम्भ होता था। उस समय संस्कारों की संख्या भी लगभग चालीस थी। जैसे–जैसे समय बदलता गया तथा व्यस्तता बढती गई तो कुछ संस्कार स्वतः विलुप्त हो गये।
- ✶ इस प्रकार समयानुसार संशोधित होकर संस्कारों की संख्या निर्धारित होती गई।
- ✶ गौतम स्मृति में चालीस प्रकार के संस्कारों का उल्लेख है।
- ✶ महर्षि अंगिरा ने इनका अंतर्भाव पच्चीस संस्कारों में किया।
- ✶ व्यास स्मृति में सोलह संस्कारों का वर्णन हुआ है। हमारे धर्मशास्त्रों में भी मुख्य रूप से सोलह संस्कारों की व्याख्या की गई है।

सनातन परम्परा के 16 संस्कार

- ✶ इनमें पहला गर्भाधान संस्कार और मृत्यु के उपरांत अंत्येष्टि अंतिम संस्कार है। गर्भाधान के बाद पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण ये सभी संस्कार नवजात का दैवी जगत् से संबंध स्थापना के लिये किये जाते हैं।
- ✶ नामकरण के बाद चूड़ाकर्म और यज्ञोपवीत संस्कार होता है। इसके बाद विवाह संस्कार होता है। यह गृहस्थ जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्कार है। हिन्दू धर्म में स्त्री और पुरुष दोनों के लिये यह सबसे बडा संस्कार है, जो जन्म–जन्मान्तर का होता है।

विभिन्न धर्मग्रंथों में संस्कारों के क्रम में थोडा–बहुत अन्तर है, लेकिन प्रचलित संस्कारों के क्रम में गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म, विद्यारंभ, कर्णवेध, यज्ञोपवीत, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह तथा अन्त्येष्टि ही मान्य है।

गर्भाधान से विद्यारंभ तक के संस्कारों को गर्भ संस्कार भी कहते हैं। इनमें पहले तीन (गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन) को अंत गर्भ संस्कार तथा इसके बाद के छह संस्कारों को बहिगर्भ संस्कार कहते हैं। गर्भ संस्कार को दोष मार्जन अथवा शोधक संस्कार भी कहा जाता है।

दोष मार्जन संस्कार का तात्पर्य यह है कि शिशु के पूर्व जन्मों से आये धर्म एवं कर्म से सम्बन्धित दोषों तथा गर्भ में आई विकृतियों के मार्जन के लिये संस्कार किये जाते हैं। बाद वाले छह संस्कारों को गुणाधान संस्कार कहा जाता है।

पहला : गर्भाधान संस्कार : –

हमारे शास्त्रों में मान्य सोलह संस्कारों में गर्भाधान पहला है। गृहस्थ जीवन में प्रवेश के उपरान्त प्रथम कर्त्तव्य के रूप में इस संस्कार को मान्यता दी गई है। गृहस्थ जीवन का प्रमुख उद्देश्य श्रेष्ठ सन्तानोत्पत्ति है। उत्तम संतति की इच्छा रखनेवाले माता–पिता को गर्भाधान से पूर्व अपने तन और मन की पवित्रता के लिये यह संस्कार करना चाहिए। वैदिक काल में यह संस्कार अति महत्वपूर्ण समझा जाता था।

दूसरा : पुंसवन संस्कारः –

गर्भस्थ शिशु के मानसिक विकास की दृष्टि से यह संस्कार उपयोगी समझा जाता है। गर्भाधान के दूसरे या तीसरे महीने में इस संस्कार को करने का विधान है। हमारे मनीषियों ने सन्तानोत्कर्ष के उद्देश्य से किये जाने वाले इस संस्कार को अनिवार्य माना है। गर्भस्थ शिशु से सम्बन्धित इस संस्कार को शुभ नक्षत्र में सम्पन्न किया जाता है। पुंसवन संस्कार का प्रयोजन स्वस्थ एवं उत्तम संतति को जन्म देना है। विशेष तिथि एवं ग्रहों की गणना के आधार पर ही गर्भाधान करना उचित माना गया है।

तीसरा : सीमन्तोन्नयन संस्कार : –

सीमन्तोन्नयन को सीमन्तकरण अथवा सीमन्त संस्कार भी

कहते हैं। सीमन्तोन्नयन का अभिप्राय है सौभाग्य संपन्न होना। गर्भपात रोकने के साथ–साथ गर्भस्थ शिशु एवं उसकी माता की रक्षा करना भी इस संस्कार का मुख्य उद्देश्य है। इस संस्कार के माध्यम से गर्भिणी स्त्री का मन प्रसन्न रखने के लिये सौभाग्यवती स्त्रियां गर्भवती की मांग भरती हैं। यह संस्कार गर्भ धारण के छठे अथवा आठवें महीने में होता है।

चतुर्थ : जातकर्म संस्कार : –

नवजात शिशु के नालच्छेदन से पूर्व इस संस्कार को करने का विधान है। इस दैवी जगत् से प्रत्यक्ष सम्पर्क में आने वाले बालक को मेधा, बल एवं दीर्घायु के लिये स्वर्ण खण्ड से मधु एवं घृत वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ चटाया जाता है। यह संस्कार विशेष मन्त्रों एवं विधि से किया जाता है। दो बूंद घी तथा छह बूंद शहद का सम्मिश्रण अभिमंत्रित कर चटाने के बाद पिता यज्ञ करता है तथा नौ मन्त्रों का विशेष रूप से उच्चारण के बाद बालक के बुद्धिमान, बलवान, स्वस्थ एवं दीर्घजीवी होने की प्रार्थना करता है। इसके बाद माता बालक को स्तनपान कराती है।

पंचम : नामकरण संस्कार : –

जन्म के ग्यारहवें दिन यह संस्कार होता है। हमारे धर्माचार्यो ने जन्म के दस दिन तक अशौच (सूतक) माना है। इसलिये यह संस्कार ग्यारहवें दिन करने का विधान है। महर्षि याज्ञवल्क्य का भी यही मत है, लेकिन अनेक कर्मकाण्डी विद्वान इस संस्कार को शुभ नक्षत्र अथवा शुभ दिन में करना उचित मानते हैं। नामकरण संस्कार का सनातन धर्म में अधिक महत्व है। हमारे मनीषियों ने नाम का प्रभाव इसलिये भी अधिक बताया है क्योंकि यह व्यक्तित्व के विकास में सहायक होता है। तभी तो यह कहा गया है राम से बड़ा राम का नाम हमारे धर्म विज्ञानियों ने बहुत शोध कर नामकरण संस्कार का आविष्कार किया। ज्योतिष विज्ञान तो नाम के आधार पर ही भविष्य की रूपरेखा तैयार करता है।

छठवाँ : निष्क्रमण संस्कारः –

दैवी जगत् से शिशु की प्रगाढ़ता बढ़े तथा ब्रह्माजी की सृष्टि से वह अच्छी तरह परिचित होकर दीर्घकाल तक धर्म और मर्यादा की रक्षा करते हुए इस लोक का भोग करे यही इस संस्कार का मुख्य उद्दे निष्क्रमण का अभिप्राय है बाहर निकलना। इस संस्कार में शिशु को सूर्य तथा चन्द्रमा की ज्योति दिखाने का विधान है।

भगवान भास्कर के तेज तथा चन्द्रमा की शीतलता से शिशु को अवगत कराना ही इसका उद्देश्य है। इसके पीछे मनीषियों की शिशु को तेजस्वी तथा विनम्र बनाने की परिकल्पना होगी। उस दिन देवी–देवताओं के दर्शन तथा उनसे शिशु के दीर्घ एवं यशस्वी जीवन के लिये आशीर्वाद ग्रहण किया जाता है। जन्म के चौथे महीने इस संस्कार को करने का विधान है।

सातवां : अन्नप्राशन संस्कार : –

इस संस्कार का उद्देश्य शिशु के शारीरिक व मानसिक विकास पर ध्यान केन्द्रित करना है। अन्नप्राशन का स्पष्ट अर्थ है कि शिशु जो अब तक पेय पदार्थो विशेषकर दूध पर आधारित था अब अन्न जिसे शास्त्रों में प्राण कहा गया है उसको ग्रहण कर शारीरिक व मानसिक रूप से अपने को बलवान व प्रबुद्ध बनाए। तन और मन को सुदृढ़ बनाने में अन्न का सर्वाधिक योगदान है। शुद्ध, सात्विक एवं पौष्टिक आहार से ही तन स्वस्थ रहता है और स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। आहार शुद्ध होने पर ही अन्तःकरण शुद्ध होता है तथा मन, बुद्धि, आत्मा सबका पोषण होता है। इसलिये इस संस्कार का हमारे जीवन में विशेष महत्व है।

हमारे धर्माचार्यो ने अन्नप्राशन के लिये जन्म से छठे महीने को उपयुक्त माना है। छठे मास में शुभ नक्षत्र एवं शुभ दिन देखकर यह संस्कार करना चाहिए। खीर और मिठाई से शिशु के अन्नग्रहण को शुभ माना गया है। अमृतः क्षीरभोजनम् हमारे शास्त्रों में खीर को अमृत के समान उत्तम माना गया है।

आठवां : चूड़ाकर्म संस्कार : –

चूड़ाकर्म को मुंडन संस्कार भी कहा जाता है। हमारे आचार्यो ने बालक के पहले, तीसरे या पांचवें वर्ष में इस संस्कार को करने का विधान बताया है। इस संस्कार के पीछे शुचिता और बौद्धिक विकास की परिकल्पना हमारे मनीषियों के मन में होगी। मुंडन संस्कार का अभिप्राय है कि जन्म के समय उत्पन्न अपवित्र बालों को हटाकर बालक को प्रखर बनाना है। नौ माह तक गर्भ में रहने के कारण कई दूषित किटाणु उसके बालों में रहते हैं। मुंडन संस्कार से इन दोषों का सफाया होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस संस्कार को शुभ मुहूर्त में करने का विधान है। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यह संस्कार सम्पन्न होता है।

नोवाँ : विद्यारंभ संस्कार : –

विद्यारम्भ संस्कार के क्रम के बारे में हमारे आचार्यो में मतभिन्नता है। कुछ आचार्यो का मत है कि अन्नप्राशन के बाद विद्यारम्भ संस्कार होना चाहिये तो कुछ चूड़ाकर्म के बाद इस संस्कार को उपयुक्त मानते हैं। मेरी राय में अन्नप्राशन के बाद ही शिशु बोलना शुरू करता है। इसलिये अन्नप्राशन के बाद ही विद्यारम्भ संस्कार उपयुक्त लगता है।

विद्यारम्भ का अभिप्राय बालक को शिक्षा के प्रारम्भिक स्तर से परिचित कराना है। प्राचीन काल में जब गुरुकुल की परम्परा थी तो बालक को वेदाध्ययन के लिये भेजने से पहले घर में अक्षर बोध कराया जाता था। माँ–बाप तथा गुरुजन पहले उसे मौखिक रूप से श्लोक, पौराणिक कथायें आदि का अभ्यास करा दिया करते थे ताकि गुरुकुल में कठिनाई न हो। हमारा शास्त्र विद्यानुरागी है।

दसवाँ : कर्णवेध संस्कार : –

हमारे मनीषियों ने सभी संस्कारों को वैज्ञानिक कसौटी पर कसने के बाद ही प्रारम्भ किया है। कर्णवेध संस्कार का आधार बिल्कुल वैज्ञानिक है। बालक की शारीरिक व्याधि से रक्षा ही इस संस्कार का मूल उद्देश्य है। प्रकृति प्रदत्त इस शरीर के सारे अंग महत्वपूर्ण हैं। कान हमारे श्रवण द्वार हैं। कर्ण वेधन

से व्याधियां दूर होती हैं तथा श्रवण शक्ति भी बढ़ती है। इसके साथ ही कानों में आभूषण हमारे सौन्दर्य बोध का परिचायक भी है। यज्ञोपवीत के पूर्व इस संस्कार को करने का विधान है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्ल पक्ष के शुभ मुहूर्त में इस संस्कार का सम्पादन श्रेयस्कर है।

ग्यारहवाँ : यज्ञोपवीत संस्कार : –

यज्ञोपवीत अथवा उपनयन बौद्धिक विकास के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्कार है। धार्मिक और आधात्मिक उन्नति का इस संस्कार में पूर्णरूपेण समावेश है। हमारे मनीषियों ने इस संस्कार के माध्यम से वेदमाता गायत्री को आत्मसात करने का प्रावधान दिया है। आधुनिक युग में भी गायत्री मंत्र पर विशेष शोध हो चुका है। गायत्री सर्वाधिक शक्तिशाली मंत्र है। यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं अर्थात् यज्ञोपवीत जिसे जनेऊ भी कहा जाता है अत्यन्त पवित्र है। प्रजापति ने स्वाभाविक रूप से इसका निर्माण किया है। यह आयु को बढ़ानेवाला, बल और तेज प्रदान करनेवाला है। यज्ञोपवीत धारण का वैज्ञानिक महत्व भी है। प्राचीन काल में जब गुरुकुल की परम्परा थी उस समय प्रायः आठ वर्ष की उम्र में यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न हो जाता था। इसके बाद बालक विशेष अध्ययन के लिये गुरुकुल जाता था। यज्ञोपवीत से ही बालक को ब्रह्मचर्य की दीक्षा दी जाती थी जिसका पालन गृहस्थाश्रम में आने से पूर्व तक किया जाता था।

बारहवाँ : वेदारंभ संस्कार : –

ज्ञानार्जन से सम्बन्धित है यह संस्कार। वेद का अर्थ होता है ज्ञान और वेदारम्भ के माध्यम से बालक अब ज्ञान को अपने अन्दर समाविष्ट करना शुरू करे यही अभिप्राय है इस संस्कार का। शास्त्रों में ज्ञान से बढ़कर दूसरा कोई प्रकाश नहीं समझा गया है। स्पष्ट है कि प्राचीन काल में यह संस्कार मनुष्य के जीवन में विशेष महत्व रखता था। यज्ञोपवीत के बाद बालकों को वेदों का अध्ययन एवं विशिष्ट ज्ञान से परिचित होने के लिये योग्य आचार्यो के पास गुरुकुलों में भेजा जाता था। वेदारम्भ से पहले आचार्य अपने शिष्यों को ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करने एवं संयमित जीवन जीने की प्रतिज्ञा कराते थे तथा उसकी परीक्षा लेने के बाद ही वेदाध्ययन कराते थे। असंयमित जीवन जीने वाले वेदाध्ययन के अधिकारी नहीं माने जाते थे। हमारे चारों वेद ज्ञान के अक्षुण्ण भंडार हैं। इस संस्कार को जन्म से 5वे या 7 वे वर्ष में किया जाता है। अधिक प्रामाणिक 5 वाँ वर्ष माना जाता है। यह संस्कार प्रायः वसन्त पंचमी को किया जाता है।

तेरहवाँ : केशांत संस्कार : –

गुरुकुल में वेदाध्ययन पूर्ण कर लेने पर आचार्य के समक्ष यह संस्कार सम्पन्न किया जाता था। वस्तुतः यह संस्कार गुरुकुल से विदाई लेने तथा गृहस्थाश्रम में प्रवेश करने का उपक्रम है। वेद–पुराणों एवं विभिन्न विषयों में पारंगत होने के बाद ब्रह्मचारी के समावर्तन संस्कार के पूर्व बालों की सफाई की जाती थी तथा उसे स्नान कराकर स्नातक की उपाधि दी जाती थी। केशान्त संस्कार शुभ मुहूर्त में किया जाता था।

चौदहवाँ : समावर्तन संस्कार : –

गुरुकुल से विदाई लेने से पूर्व शिष्य का समावर्तन संस्कार होता था। इस संस्कार से पूर्व ब्रह्मचारी का केशान्त संस्कार होता था और फिर उसे स्नान कराया जाता था। यह स्नान समावर्तन संस्कार के तहत होता था। इसमें सुगन्धित पदार्थो एवं औषधादि युक्त जल से भरे हुए वेदी के उत्तर भाग में आठ घड़ों के जल से स्नान करने का विधान है।

यह स्नान विशेष मन्त्रोच्चारण के साथ होता था। इसके बाद ब्रह्मचारी मेखला व दण्ड को छोड़ देता था जिसे यज्ञोपवीत के समय धारण कराया जाता था। इस संस्कार के बाद उसे विद्या स्नातक की उपाधि आचार्य देते थे। इस उपाधि से वह सगर्व गृहस्थाश्रम में प्रवेश करने का अधिकारी समझा जाता था। सुन्दर वस्त्र व आभूषण धारण करता था तथा आचार्यो एवं गुरुजनों से आशीर्वाद ग्रहण कर अपने घर के लिये विदा होता था।

पंद्रहवाँ : विवाह संस्कार : –

प्राचीन काल से ही स्त्री और पुरुष दोनों के लिये यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्कार है। यज्ञोपवीत से समावर्तन संस्कार तक ब्रह्मचर्य व्रत के पालन का हमारे शास्त्रों में विधान है। वेदाध्ययन के बाद जब युवक में सामाजिक परम्परा निर्वाह करने की क्षमता व परिपक्वता आ जाती थी तो उसे गृर्हस्थ्य धर्म में प्रवेश कराया जाता था। लगभग पच्चीस वर्ष तक ब्रह्मचर्य का व्रत का पालन करने के बाद युवक परिणय सूत्र में बंधता था। हमारे शास्त्रों में आठ प्रकार के विवाहों का उल्लेख है– ब्राह्म, दैव, आर्ष, प्रजापत्य, आसुर, गन्धर्व, राक्षस एवं पैशाच। वैदिक काल में ये सभी प्रथाएं प्रचलित थीं। समय के अनुसार इनका स्वरूप बदलता गया। वैदिक काल से पूर्व जब हमारा समाज संगठित नहीं था तो उस समय उच्छृंखल यौनाचार था। हमारे मनीषियों ने इस उच्छृंखलता को समाप्त करने के लिये विवाह संस्कार की स्थापना करके समाज को संगठित एवं नियमबद्ध करने का प्रयास किया। आज उन्हीं के प्रयासों का परिणाम है कि हमारा समाज सभ्य और सुसंस्कृत है।

सोलहवाँ : अन्त्येष्टि संस्कार : –

अन्त्येष्टि को अंतिम अथवा अग्नि परिग्रह संस्कार भी कहा जाता है। आत्मा में अग्नि का आधान करना ही अग्नि परिग्रह है। धर्म शास्त्रों की मान्यता है कि मृत शरीर की विधिवत् क्रिया करने से जीव की अतृप्त वासनायें शान्त हो जाती हैं। हमारे शास्त्रों में बहुत ही सहज ढंग से इहलोक और परलोक का वर्णन किया गया है। जब तक जीव शरीर धारण कर इहलोक में निवास करता है तो वह विभिन्न कर्मो से बंधा रहता है। प्राण छूटने पर वह इस लोक को छोड़ देता है। उसके बाद की परिकल्पना में विभिन्न लोकों के अलावा मोक्ष या निर्वाण है। मनुष्य अपने कर्मो के अनुसार फल भोगता है। इसी परिकल्पना के तहत मृत देह की विधिवत क्रिया होती।

मेरा हर काम, देश का काम : योगी

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यसमिति एवं सदस्यता अभियान कार्यशाला को भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रांशु दत्त द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजन वाराणसी के बड़ा लालपुर स्थित दीनदयाल हस्तकला संकुल(TFC)02 सितम्बर से शुरू होने वाला भाजपा का सदस्यता अभियान युवा मोर्चा पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर चलायेगा। सदस्यता अभियान में 02 सितम्बर से देश का कोई भी युवा भाजपा द्वारा सदस्यता के लिए जारी किए गए नम्बर 8800002024 पर मिस्डकॉल, क्यूआर कोड, नमो एप तथा भाजपा की वेबसाइट के माध्यम से सदस्यता ग्रहण कर सकता है।

प्रदेश कार्यसमिति एवं कार्यशाला में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रांशुदत्त द्विवेदी भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रीय महामंत्री (युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी दार्जिलिंग सांसद कार्यक्रम मुख्य अथिति श्री राजू बिस्ट युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री देवेंद्र पटेल, वरुण गोयल, हर्ष वर्धन सिंह, युवा मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी धनंजय शुक्ल ,युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू बाल्मीकि, रणजीत राय, अनुभव द्विवेदी,सतेंद्र अवाना, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री अमल खटीक, काशी क्षेत्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र मौर्य, इस अवसर पर उत्तर प्रदेश से भाजयुमो के राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय महामंत्री,जिलाध्यक्ष, जिला महामंत्री मंडल अध्यक्ष सहित अन्य प्रमुख भाजयुमो के पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में आयोजित भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति एवं सदस्यता कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि युवा जिसके साथ है वो कुछ भी कर सकता है पं. दीनदयाल हस्तकला संकुल के सभागार में भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी की कार्यशाला में युवाओ ने सीएम का त्रिशूल भेट कर किया सम्मान।

सीएम ने भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी के समारोह में युवाओं का किया आह्वान भाजपा के युवाओं में अनुशासन और सपा के दुशासन का दिखे अंतर : योगी

कहा–अगले दो साल में एक लाख भर्ती होगी यूपी पुलिस में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा की नीतियों को युवाओं के सामने रखते हुए कहा कि युवा मोर्चा को याद रखना होगा कि हम ऊर्जा और प्रतिभा से भरपूर हैं, लेकिन हमें अनुशासन हमेशा बनाए रखना होगा। यही अंतर होना चाहिए आपके अनुशासन और समाजवादी पार्टी के दुशासन में। यही अंतर दिखना चाहिए। सपा में अनुशासन नहीं है इसलिए लोगों को वहां दुशासन दिखाई देता है। आपको भाजपा के यूथ विंग के रूम में एक अनुशासित संगठन के रूप में जाना जाता है। आपको लोग सम्मान की दृष्टि में देखते हैं। हमें जनता जनार्दन के सामने यही छवि बनाए रखनी होगी। उस मर्यादा को बनाए रखनी होगी। उन्होंने 60 हजार पुलिस भर्ती परीक्षा के सफलतापूर्वक आयोजन का जिक्र करते हुए कहा कि अगले दो वर्ष में यूपी पुलिस में एक लाख नौजवानों की भर्ती होगी। साथ ही आने वाले दो वर्षों में दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी से जोड़ा जाएगा। बड़ालालपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय हस्तकला संकुल सभागार में भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी की कार्यशाला के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपक्षी दलों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि हमारे लिए दल से बड़ा देश है। सब कुछ देश के नाम। मेरा हर काम देश का काम। कोई जाति, मत, मजहब, क्षेत्र भाषा देश से बढ़कर नहीं हो सकता। पहले देश है तब हम हैं। देश सुरक्षित है तो सब सुरक्षित हैं। इसलिए देश के लिए पूर्ण समर्पण हो। राष्ट्रीय एकता और अखंडता के सामने आने वाली चुनौती के लिए हम सब को मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा। आप देख रहे होंगे कि सपा व कांग्रेस पर आक्रामक हुए मुख्यमंत्री, कहा–उनके लिए राजनीति सर्वोपरि, हमारे लिए देश पावन कैसी–कैसी अफवाहें फैलाई जा रही हैं। कैसे–कैसे षड्यंत्र हो रहे हैं। जिन्होंने सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न किया वो आज

नकाब पहन कर फिर से गुमराह कर रहे हैं। जो लोग सामाजिक न्याय के लिए समर्पित महापुरुषों को अपमानित करते थे आज वोट के लिए उनकी आरती उतार रहे हैं। यही सपा है, कौन नहीं जानता इनके चेहरे को। यही कांग्रेस है जिसने देश में सर्वाधिक शासन किया। इनके कारनामों को कौन नहीं जानता।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का इन्होंने सर्वाधिक अपमान किया। सरदार पटेल का अपमान किया। इन महापुरुषों को भारत रत्न न मिले इसके लिए एड़ी चोटी का जोर लगाया। ऐसा लगता था जैसे भारत रत्न पर एक परिवार का एकाधिकार हो गया हो। जब भी मौका मिला तो कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, इन्होंने देश की कीमत पर राजनीति की। यही अंतर है। उनके लिए उनकी राजनीति सर्वोपरि है हमारे लिए देश सर्वोपरि है। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता अधिक से अधिक युवाओं से मिलें। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहली से 25 सितंबर तक पहले चरण का अभियान चलेगा। द्वितीय चरण पहली से 15 अक्टूबर तक चलेगा और 15 से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता का अभियान चलेगा। सक्रिय सदस्य के लिए आवश्यक होगा कि वह 100 सदस्य बनाया हो। बूथशः फिजिकल वेरीफिकेशन करे।

आमजन का विश्वास है कि भाजपा सशक्त होगी तो भारत मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की प्रगति देख रही है। 2004 में भारत की अर्थव्यवस्था 12वें व 2014 में 10वें नंबर पर थी। अभी पांचवें नंबर पर है। तीन वर्ष के अंदर भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष श्रीप्रांशुदत्त द्विवेदी ने युवा मोर्चा सदस्यता अभियान की कार्यशाला में उपस्थित युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने अपने संगठन के कार्य विस्तार की दृष्टि से सदस्यता अभियान शुरू किया है। जिन्हें भी अभियान से जोड़ना है युवा मोर्चा ऐसे अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण करेगा। 2014 में हमने बड़ा अभियान लिया था, 2019 में भी हमने सदस्यता का अभियान चलाया था। भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है। देश के हर हिस्से में युवा मोर्चा का प्रभाव है। उन्होंने कहा कि हम सदस्यता का महाअभियान शुरू करने जा रहे हैं। 2 सितंबर से अभियान शुरू होगा तो हमें प्रदेश के हर घर में भाजपा का सदस्य बनाना है, इसके लिए संगठन के अभियान को योजनापूर्वक घर–घर, गांव–गांव तक पहुंचाना होगा। हमारी सरकार ने जनता से किए अपने वादों और संकल्पों को पूरा किया है। पार्टी कार्यकर्ताओं को पूरे जोश के साथ संगठनात्मक प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। प्राथमिक सदस्य, सक्रिय सदस्य, बूथ समिति और ऊपर का संगठन बनाना है। इसके लिए पार्टी के अभियान में सब सक्रियता से जुड़कर अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनसंघ के रूप में भाजपा की यात्रा शुरू हुई थी, हमारे पहले अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना बलिदान दिया। , आज समाज के सभी वर्गों और सभी क्षेत्रों में भाजपा का व्यापक आधार है। उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक हर जगह युवा मोर्चा कार्यकर्ता मजबूती के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा पिछले दस वर्षों में केंद्र में भाजपा की सरकार है। 1962 के बाद पहली बार ऐसा अवसर है कि किसी पार्टी को तीसरी बार सरकार बनाने का अवसर मिला है। पहले जब ऐसा हुआ था तब विपक्ष का कोई मतलब नहीं था हर तरफ केवल कांग्रेस ही कांग्रेस थी। आज विपक्ष के झूठे और मनगढ़ंत वादों के बाद भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है।

श्री द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राम मंदिर निर्माण, धारा 370 की समाप्ति तथा ट्रिपल तलाक जैसी कुरीति को समाप्त करने सहित हमने अपने सभी संकल्पों को पूरा किया। मोदी जी ने भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया है। इसे भी हम पूरा करेंगे, हम जनाकांक्षाओं को पूरा करने वाले लोग हैं। भाजपा सांस्कृतिक विरासत के साथ ही लोगों के जीवन स्तर को ऊपर ले जाने वाली पार्टी है। प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष ने युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया वे सदस्यता अभियान को संगठन पर्व के रूप में मनाते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग, क्षेत्र के लोगों को पार्टी का सदस्य बनाकर उन्हें अपने विचारधारा से जोड़ने का काम करें।

भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रीय महामंत्री युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी दार्जिलिंग सांसद कार्यक्रम के मुख्य अथिति राजू बिस्ट जी ने युवा मोर्चा प्रदेश कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा की ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन गढ़े चलो सुपंथ पर बढ़े चलो, भला हो जिसमें देश का वो काम सब किए चलो इन्हीं पंक्तियों के आधार पर हम सब काम करते है। जिस काम में देश का, समाज का, गरीब का, महिला का, युवा का, किसान का भला हो भाजपा वही काम करती है।

मंच का संचालन युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री वरुण गोयल, राजनीतिक प्रस्तावक राजेश राजभर ब्रज क्षेत्रीय अध्यक्ष मनीष गौतम, पश्चिमी क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखविंदर सोम,ने रखा।

10 सितंबर, 2024

सदस्यता
88 00 00 2024

सदस्यता
अभियान
2024
88 00 00 2024

सदस्यता अभियान - 2024

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91, शीर्षक कोडः UPHIN16701, डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2024-26
सितम्बर प्रथम अंक 2024 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 11–13 (प्रथम पाक्षिक)

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित।